yashbharat.co.in
हर वक्त की ताजा खबरों के लिए विजिट करें
यश भारत
नये जमाने के साथ..
• वर्ष- 17 अंक 179- • जबलपुर • रविवार, 30 जुलाई, 2023 • मूल्य- 2 रुपए • पृष्ठ-8 • प्रथम श्रावण मास शुक्ल पक्ष 14 • विक्रम संवत् 2080 शके 1935

"कोशिश एक ऐसी शुरुआत है, जो आपको कामयाबी तक पहुंचा देती है। निरंतर सकारात्मक कर्म करते रहिए..."

खेल गांव में नहीं... पेज 7

आज का मौसम

आज सुबह का तापमान 25.2 डिसे

दोपहर 12 बजे तक 30. डिसे

बारिश के आसार

» न्यूज गैलरी

पीएसएलवी-सी 56 रॉकेट से सिंगापुर के 7 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण

नई दिल्ली • ईएमएस
yashbharat.co.in

भारत ने रविवार को सिंगापुर के डीएस-एसएआर उपग्रह समेत सात उपग्रहों को पीएसएलवी-सी56 रॉकेट से सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेज दिया। लांचिंग के बाद इसरो ने बताया कि मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। क्कस्ङ्क-ष्ट56 ने सभी सात उपग्रहों को उनकी कक्षाओं में सटीक रूप से प्रक्षेपित कर दिया है। इससे पहले शनिवार को प्रक्षेपण की उल्टी गिनती शुरू हो गई। प्रक्षेपण सुबह 6.30 बजे इसरो के श्रीहरिकोटा से किया गया। अन्य छोटे उपग्रहों में वेलोक्स एएम, आर्केड, स्कूब- द्वाद्व, नूलियोन, गेलेसिया- 2 और ओआरबी- 12 स्ट्राइडर शामिल हैं। पीएसएलवी-सी56 न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड का मिशन है, जो इसरो की वाणिज्यिक शाखा है। यह मिशन 2023 में इसरो का तीसरा वाणिज्यिक मिशन रहा। इसरो ने इससे पहले मार्च में एलवीएम3 राकेट से ब्रिटेन के वनवेब से संबंधित 36 उपग्रहों को प्रक्षेपित किया गया था। इसके बाद अप्रैल में पीएसलएलवी राकेट से सिगापुर के दो उपग्रहों को प्रक्षेपित किया गया था।

इंदौर संभाग के 50 हजार कार्यकर्ताओं को आज जीत का मंत्र देंगे अमित शाह

इंदौर • ईएमएस
yashbharat.co.in

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इंदौर में आज संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देंगे। इसमें इंदौर संभाग के नौ जिलों के 186 मंडल अध्यक्ष, 10311 बूथ अध्यक्ष सहित करीब 50 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे। सभी कार्यकर्ताओं के लिए बसों का इंतजाम किया गया है। कनकेश्वरी धाम में होने वाले सम्मेलन की तैयारी की जानकारी देते भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि संभाग के जिलों से 15 हजार कार्यकर्ता पहुंचेंगे, जबकि जिले की नौ विधानसभा से 35 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे। आयोजन स्थल पर दो वाटरप्रूफ डोम बनाए गए हैं, इसी के आसपास के एक किमी हिस्से में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। सम्मेलन में शामिल होने के बाद वे भगवान परशुराम की जन्म स्थली जानापाव भी जाएंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के बाद शाह होटल मैरिएट में संभाग के नेताओं के साथ चर्चा भी करेंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल

दमोह जिले के 665 गांवों के लिए जीवनदायी बनी सतधरू परियोजना

अभिनव सिंह गौतम, ब्यूरो चीफ
दमोह • यशभारत
yashbharat.co.in

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर दमोह जिले के गांवों के रहवासियों को बड़ी सौगात मिली है। अब गांववासियों को भरपूर पानी मिलेगा। दमोह जिले के 665 गांवों के लिए सतधरू परियोजना जीवनदायी बन गई है, जिनमें से अभी 485 गांव की टेस्टिंग शुरू हो गई है और 325 गांव में नियमित पानी मिलने लगा है। शेष गांवों में जल्द पानी पहुंच जाएगा। विदित हो कि दमोह जिले के 665 गांव में से कुछ गांव ऐसे हैं जहां पर गर्मी के दिनों में भीषण जल संकट हुआ करता था लेकिन मध्यप्रदेश सरकार के अथक प्रयासों और सतधरु परियोजना के तहत अब गांववासियों के घरों में पानी पहुंच रहा है। सतधरू परियोजना दमोह जिले के लिए जहाँ एक ओर पानी आमजनों को घर-घर पर मिलेगा वही 7500 हेक्टेयर क्षेत्र में सिचाई के लिएभी उपलब्ध होगा। पानी पहुंचने के बाद यहां के रहवासियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

485 गांवों हुई टेस्टिंग, 325 गांवों में मिलने लगा पानी, शेष गांवों में जल्द मिलेगा पानी

यश भारत एक्सक्लूसिव

सीतानगर बांध से भी पहुंचेगा पानी

विगत वर्ष तक गांवों में पेयजल की समस्या थी। गांववासी कुप्पों से पानी लेकर जाते थे, वह इस वर्ष कहीं भी दिखाई नहीं देगा। इस तरह से पेयजल पहुंचाने मे बहुत बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा जिले में कराया जा रहा है वह अतुलनीय कार्य है, यह जिले की सबसे बड़ी योजना है। जिले के जो शेष ग्राम बच रहे हैं वह सीता नगर बांध से योजना स्वीकृत होकर उसका कार्य प्रारंभ हो गया है। मार्च 2025 तक जिले के सभी ग्रामों में मध्य प्रदेश जल निगम द्वारा शुद्ध पेयजल का लाभ दिया जा सकेगा।

यहां भी मिली राहत...

दमोह जिले की तहसील तेन्दूखेड़ा के वनांचल ग्राम सेलवाड़ा और पिपरिया टीकाराम में पीने के पानी की समस्या हमेशा बनी रहती थी, पहाड़ी क्षेत्र होने से जमीन के अंदर पानी भी नहीं मिलता था, ग्रामवासी काफी परेशान रहते थे, दूर-दूर तक पानी लेने जाना पड़ता था। लेकिन अब सतधरू बांध के बन जाने से ग्रामीणों को पेयजल की काफी सुविधा हो गई है। शासन ने जल निगम के माध्यम से घर-घर जल पहुंचाने का संकल्प लिया और उसे पूरा भी किया है, अब घर-घर पानी पहुंचने लगा है।

अहमदाबाद के अस्पताल में लगी आग 100 मरीजों को सुरक्षित निकाला गया

अहमदाबाद • ईएमएस
yashbharat.co.in

अहमदाबाद के साहिबबाग इलाके में स्थित राजस्थान अस्पताल में के बेसमेंट में यह आग लगी है। अस्पताल के बेसमेंट में सुबह करीब साढ़े चार बजे यह आग लगी। आग लगने के बाद पूरे बेसमेंट में धुंआ भर गया। अस्पताल से एहतियातन 100 मरीजों को सुरक्षित निकाला गया। अग्निशमन अधिकारी जयेश खादिया ने बताया कि राजस्थान अस्पताल के बेसमेंट में आग करीब सुबह साढ़े चार बजे लगी। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। अस्पताल में कुछ पुनर्निर्माण का काम चल रहा था। आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मरीजों को भी सुरक्षित निकाल लिया गया है। 20-25 अग्निशमन कर्मी मौके पर मौजूद हैं और आग को नियंत्रित कर लिया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आगे हॉस्पिटल के बेसमेंट में लगी।

नहीं निकल पाया धुआं

बेसमेंट धुआं लगने के बाद एक ब्लास्ट हुआ। इसके बाद स्थिति बिगस्न गई। धुएं के ऊपर की तरफ जाने के चलते मरीजों को दिक्क्त हुई। बचाव कार्य में रोबोट का भी इस्तेमाल किया जा रहा हो। अहमदाबाद के डीसीपी ट्रैफिक सफीन हसन भी मौके पर पहुंचे है। अस्पताल में आग सुबह सा? चार बजे के करीब लगी। इसके बाद 22 दमकल अस्पताल के रवाना की गई। अस्पताल में सही वेंटीलेशन नहीं होने के कारण बचाव कार्य में दिक्कत आई।

कमलनाथ का मणिपुर हिंसा पर बड़ा बयान

बोले- वहां लड़ाई आदिवासी और गैरआदिवासियों में, ये फैली तो सोचिए देश में क्या होगा

इंदौर • ईएमएस
yashbharat.co.in

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और राज्यसभा सदस्य व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह रविवार सुबह इंदौर पहुंचे। इंदौर में कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला द्वारा आयोजित भगवान भोलेनाथ के महारुद्राभिषेक में शामिल हुए। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कमलनाथ को हनुमान प्रतिमा और गदा भेंट की। इस दौरान कमलनाथ ने कहा कि मैं सरकार की बनाई योजना पर भरोसा नहीं करता। कार्यक्रम के दौरान एक महिला ने कमलनाथ से मणिपुर की घटना को लेकर सवाल किया। इस पर कमलनाथ ने कहा कि मणिपुर का सोर्स क्या है। हमारी संस्कृति जोड़ने की संस्कृति है लेकिन वो खतरे में है। तमिलनाडु में भाषा का विवाद है। इन सभी चीजों की शुरुआत मणिपुर से हुई है। कमलनाथ ने कहा कि आज आदिवासी और नॉनआदिवासी की लड़ाई कराई जा रही है।

पीएम मोदी बोले- आपदाओं के बीच भी एक बार फिर सामूहिक प्रयास की शक्ति सामने आई

पीएम मोदी के रेडियो प्रोग्राम मन की बात का 103वां एपिसोड

नई दिल्ली • ईएमएस
yashbharat.co.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मासिक रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 103वां एपिसोड की शुरुआत देशभर में सामने आ रही प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति से की। मन की बात में पीएम मोदी ने कहा कि स्थानीय लोगों ने, हमारे ह्रछ्वक्रस्न के जवानों ने, स्थानीय प्रशासन के लोगों ने, दिन-रात लगाकर ऐसी आपदाओं का मुकाबला किया है. किसी भी आपदा से निपटने में हमारे सामर्थ्य और संसाधनों की भूमिका बड़ी होती है- लेकिन इसके साथ ही, हमारी संवेदनशीलता और एक दूसरे का हाथ थामने की भावना, उतनी ही अहम होती है. सर्वजन हिताय की यही भावना भारत की पहचान भी है और भारत की ताकत भी है। मन की बात में पीएम मोदी ने कहा कि बारिश का यही समय 'वृक्षारोपण' और 'जल संरक्षण' के लिए भी उतना ही जरुरी होता है. आजादी के 'अमृत महोत्सव' के दौरान बने 60 हजार से ज्यादा अमृत सरोवरों में भी रौनक बढ़ गई है. अभी 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवरों को बनाने का काम चल भी रहा है. हमारे देशवासी पूरी जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ 'जल संरक्षण' के लिए नए-नए प्रयास कर रहे हैं. मन की बात में पीएम मोदी ने कहा कि बीते कुछ दिन प्राकृतिक आपदाओं के कारण चिंता और परेशानी से भरे रहे हैं. यमुना समेत कई नदियों में बाढ़ से कई इलाकों में लोगों को तकलीफ उठानी पड़ी है. पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं भी हुई हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम 10 रुपए लीटर घटाने की गुंजाइश, 1 साल में कच्चा तेल 15% सस्ता

नई दिल्ली • ईएमएस
yashbharat.co.in

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोल-डीजल के दाम 10 रुपए लीटर तक घटाए जा सकते हैं। इसकी वजह एक साल में कच्चे तेल के दाम में आई 15त्न की गिरावट है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आखिरी बार अप्रैल 2022 में पेट्रोल-डीजल के दाम घटाए थे। अभी देश के ज्यादातर हिस्से में पेट्रोल 100 रुपए और डीजल 90 रुपए प्रति लीटर से ऊपर है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक, 1 अप्रैल 2014 को दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 72 रुपए और डीजल की कीमत 55 रुपए प्रति लीटर थी। तब कच्चे तेल की कीमत 105 डॉलर प्रति बैरल थी। लेकिन आज कच्चे तेल की कीमत घटकर 83 डॉलर प्रति बैरल हो गई है।

हाईकोर्ट का अनोखा फैसला

झगड़ा करने वाले दो परिवारों को 400 पेड़ लगाने का आदेश

नई दिल्ली • ईएमएस
yashbharat.co.in

दिल्ली हाई कोर्ट ने मामूली बात पर झगड़ा करने वाले दो परिवारों के सदस्यों को अपने-अपने इलाकों में दो-दो सौ पौधे लगाने का निर्देश दिया है, ताकि वे समाज में योगदान देकर अपनी च्च्नकारात्मक उर्जाज्ज खत्म कर सकें। अदालत ने कहा कि दोनों पक्षों को पौधे लगाकर पांच साल तक उनकी देखभाल करनी है। अदालत ने इसके साथ ही जानबूझकर चोट पहुंचाने, चोट पहुंचाने की तैयारी से घर में घुसने, हमला करने या गलत तरीके से रोकने, आपराधिक धमकी देने और गैर-इरादतन हत्या के प्रयास के आरोप में दर्ज दो आपराधिक मामलों में कार्यवाही रद्द कर दी। जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा ने कहा, हालांकि, मेरा मानना है कि (संबंधित) पक्षों को समाज में योगदान देने का निर्देश देकर उनकी नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त किया जाना चाहिए। इसलिए, दोनों मामलों में याचिकाकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में दो-दो सौ पेड़ लगाने का निर्देश दिया जाता है। जांच अधिकारी (आईओ) बागवानी विभाग से परामर्श के बाद जगह की पहचान करके याचिकाकर्ताओं को 15 दिन पहले सूचित करेंगे। अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी पौधों की जियो-टैगिंग की संभावना भी तलाशेंगे। अदालत ने मामले में नवंबर में अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया है। FI में शिकायतकर्ता ने कहा कि मामला 4 मार्च, 2017 का है, जब एक परिवार के तीन सदस्य उसके घर आए और कंबल देने के लिए उनकी आईडी मांगी, जिसे एक राजनीतिक दल के उम्मीदवार द्वारा वितरित किया जाना था। शिकायतकर्ता के मुताबिक तीनों दूसरी विचारधारा वाले राजनीतिक दल के समर्थक थे, इसलिए उनसे विवाद हो गया और बाद में दोनों पक्षों के बीच लड़ाई हो गई।

बेरहम बारिश : हिमाचल में 187, तेलंगाना में 18 की मौत

नई दिल्ली • ईएमएस
yashbharat.co.in

इस साल मानसून सीजन में कई राज्यों में भारी तबाही मची है। हिमाचल प्रदेश में अब तक 187 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं तेलंगाना में एक हफ्ते में 18 लोगों की मौत हो गई। तेलंगाना में करीब 12,000 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। वहीं शनिवार को जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के एक गांव में बादल फट गया। जिससे सात घर, एक मस्जिद और दो स्कूल क्षतिग्रस्त हो गए। उधमपुर में अचानक बाढ़ आने से नाले पर बना एक फुटब्रिज टूट गया।उत्तर भारत के राज्यों दिल्ली, पंजाब, हिमाचल और चंडीगढ़ के बाद पूर्वी राज्यों में भारी बारिश की संभावना है। अगले पांच दिनों के लिए 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। यूपी बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में 29, 30 और 31 जुलाई को तेज बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं अगस्त के पहले हफ्ते में भी पूर्वी राज्यों में सूखे से निजात मिलेगी।

आशा-उषा कार्यकर्ताओं का मानदेय अब 6 हजार

मुख्यमंत्री बोले-लाड़ली बहना योजना में भी शामिल करेंगे, 5 लाख के हेल्थ इंश्योरेंस की भी घोषणा

भोपाल • यशभारत
yashbharat.co.in

मध्यप्रदेश की आशा-उषा कार्यकर्ताओं के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कई घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा, च्आशा-उषा कार्यकर्ताओं का मानदेय अब 2 हजार की जगह 6 हजार रुपए होगा। 5 लाख रुपए का हेल्थ इश्योरेंस भी दिया जाएगा। इसके साथ ही मानदेय में हर साल 1 हजार रुपए बढ़ाए जाएंगे ताकि बहनों को कोई दिक्कत नहीं हो। मुख्यमंत्री ने भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर शनिवार को आयोजित आशा-उषा कार्यकर्ताओं की महापंचायत को संबोधित किया। उन्होंने कहा, च्एसीएस यहां बैठे हैं। मैं इनको निर्देश देता हूं कि इंटेंसिव की प्रक्रिया को सरल किया जाए। इसे जिला स्तर पर नहीं बल्कि ब्लॉक स्तर पर ही किया जाए। जितनी मेहनत ये बहनें करती हैं, उसका पारिश्रमिक तो ढंग से मिले। रिटायरमेंट के बाद एक लाख रुपए दिए जाएं ताकि ये अपने भविष्य के लिए परेशान न हों।

सेवानिवृत्ति की आयु अब 62 साल

मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा, च्मानवीयता के नाते अब ऐसी व्यवस्था बनाएंगे कि आशा-उषा को आकस्मिक अवकाश की सुविधा मिले। आकस्मिक अवकाश जल्द ही सुनिश्चित हो जाएगा। इसके अलावा सभी आशा-उषा बहनों को लाड़ली बहना योजना में भी शामिल किया जाएगा। 5 लाख रुपए के दुर्घटना और स्वास्थ्य बीमा की भी सुविधा दी जाएगी। आशा बहनों और पर्यवेक्षकों की सेवानिवृत्ति 60 साल से बढ़ाकर 62 साल में की जाएगी।

घट रही मातृ और शिशु मृत्यु दर

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में मातृ और शिशु मृत्यु दर लगातार कम हो रही है। मातृ मृत्यु दर 498 से घटकर 173 रह गई है। शिशु मृत्यु दर 82 से घटकर 43 रह गई है। नेशनल हेल्थ सर्वे स्कीम में प्रदेश से 60 प्रतिशत बच्चे कम वजन के पाए गए थे, लेकिन नेशनल फैमिली हेल्थ-पाँच सर्वे में घटकर केवल 33 प्रतिशत रह गए हैं। अति गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या घटकर 12.6 से 6.5 प्रतिशत रह गई है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान की प्रमुख घोषणाएँ

- आशा, ऊषा बहनें और आशा पर्यवेक्षकों की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से ब?ाकर 62 वर्ष की जाएगी।
- आशा कार्यकर्ता और पर्यवेक्षकों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा।
- प्रत्येक आशा और ऊषा बहनों को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में सम्मिलित किया जाएगा।
- आशा पर्यवेक्षकों का मानदेय बढ़ाकर 13,500 रूपए किया जाएगा।
- आशा पर्यवेक्षकों के मानदेय में प्रतिवर्ष बढ़ोत्तरी की जाएगी।
- आशा, ऊषा बहनों का मानदेय 2 हजार से बढ़ाकर 6 हजार रूपए किया जाएगा।
- आशा, ऊषा बहनों को मिलने वाले मानदेय में प्रतिवर्ष 1000 रूपए की वृद्धि की जाएगी।
- आशा, ऊषा बहनों तथा आशा पर्यवेक्षकों को सेवानिवृत्ति के बाद एक लाख रूपए दिए जाएंगे।
- आशा, ऊषा बहनों तथा आशा पर्यवेक्षकों को 5 लाख रूपए का चिकित्सा तथा दुर्घटना बीमा करवाकर दिया जाएगा।
- बिना गंभीर लापरवाही के किसी को सेवा से पृथक नहीं किया जाएगा।
- आकस्मिक अवकाश दिया जाएगा।

यशभारत विशेष खबर — अंचल में इको टूरिज्म को मिलेगी नई दिशा

टाइगर स्टेट : नौरादेही के रिजर्व बनने से संवरेगी हमारी जैव विविधता

-विशाल रजक -
तेन्दूखेड़ा, दमोह • यशभारत
yashbharat.co.in

देश में बाघों की गणना जारी होने के बाद एक बार फिर से मप्र टाइगर स्टेट बन गया है और अच्छी बात यह है कि 14 साल बाद प्रदेश को मिली इस उपलब्धी में सागर भी शामिल है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2022-23 में की गई बाघ गणना की सूची में नौरादेही के बाघ व बाघिन और उनका कुनबा भी शामिल हैं। क्योंकि कान्हा से आई बाघिन (राधा) और बांधवगढ़ से आया बाघ (किशन) अप्रैल 2018 में नौरादेही में शिफ्ट किया गया था बताया जा रहा है कि यह दूसरी बार है जब बाघ गणना में सागर संभाग का नाम नेशनल लिस्ट में शामिल हुआ है। अब मप्र में 785 टाइगरों की संख्या हो चुकी है और देश में 3682 बाघ है।

अब बुंदेलखण्ड देश का सबसे समृद्ध क्षेत्र

बाघ, वन्यप्राणियों के बीच ऐसा जीव जिसे देखकर भी नई अनुभूति होती है। यही वन्यप्राणी या कहें जंगल का राजा अब बुंदेलखण्ड की नई पहचान होगा। नौरादेही को रानी दुर्गावती अभयारण्य से जोड़कर जल्द टाइगर रिजर्व की शक्ल देने की तैयारी है। केंद्र से इसकी स्वीकृति भी मिल चुकी है। ऐसे में नौरादेही और पन्ना टाइगर रिजर्व को मिलाकर बुंदेलखण्ड बाघों के मामले में देश का सबसे समृद्ध क्षेत्र बन जाएगा। टाइगर रिजर्व और यहां बढने वाले बाघों का कुनबा मप्र में बुंदेलखण्ड के इको टूरिज्म का मेंटर होगा जो अगले दशक तक इस क्षेत्र के विकास को नए आयाम तक पहुंचाएगा।

नया स्वरूप लेगा

बुंदेलखण्ड के मुख्यालय सागर सहित पूरे क्षेत्र को बाघों का कुनबा बढने और इको टूरिज्म के विकास का लाभ होगा। नौरादेही- रानी दुर्गावती अभयारण्य की जैव विविधता के बीच टाइगर रिजर्व में बाघों का कुनबा इस अंचल में इको टूरिज्म को नई दिशा देने वाले मेंटर होगा। यानि बाघों के सहारे पूरा बुंदेलखण्ड नया स्वरूप लेगा।

टाइगर स्टेट में होगी नई पहचान

बुंदेलखण्ड को बाघों ने नई पहचान दी है। पन्ना टाइगर रिजर्व पूरे देश के रिजर्व में सबसे ज्यादा चर्चित है। यहां 80 से ज्यादा बाघ हैं और देश ही नहीं विदेशों से भी सैलानी बाघों की अठखेलियों का आनंद लेने यहां आते हैं। वहीं नौरादेही भी अब टाइगर स्टेट में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। यहां 15 बाघ हैं।

*टाइगर कॉरिडोर से जुड़े हैं प्रदेश के चार रिजर्व

टाइगर स्टेट में 7वां रिजर्व बनने जा रहा नौरादेही अभयारण्य प्रदेश के प्रमुख रिजव के बीच प्राकृतिक कॉरीडोर बनाता है। जिससे पन्ना, बांधवगढ़, सतपुड़ा और सिवनी का पेंच रिजर्व आपस में एक-दूसरे से जुड़ता है। यानि नौरादेही उस स्पॉट के रूप में भी विकसित होगा जहां संख्या अधिक होने पर दूसरे रिजव से टाइगरों को शिफ्ट करना आसान होगा।

जहरखुरानी के कारण मां बनने की कम थी उम्मीद

वन विभाग के अनुसार 7 साल पहले पेंच अभयारण्य में शिकारियों ने राधा के पूरे परिवार को जहरीला पदार्थ खिलाकर मार दिया था। तब यह बाघिन 6 माह की थी, लेकिन जहर की ज्यादा खुराक नहीं खाने के कारण इसे बचा लिया गया। बाद में दूध की बॉटल के जरिए बाघिन को कान्हा अभयारण्य में पाला गया। बाघिन को नौरादेही लाने के बाद वन विभाग के अधिकारियों बाघिन के शरीर पर जहर के असर को देखते हुए उसके मां बनने की कम उम्मीद थी, लेकिन इसने 2018 में एक साथ तीन शावकों को जन्म देकर यह सिद्ध कर दिया है कि बाघों के लिए नौरादेही उपयुक्त और वहां का वातावरण अनुकूल है

संरक्षण- आबोहवा और अनुकूल पर्यावास से बढ़ रही संतति

वर्ष 2018 तक पन्ना को छोड़कर पूरे बुंदेलखण्ड में बाघ का अस्तित्व नहीं था। यहां बाघों की चर्चा कहानियों तक सिमट चुकी थीं। ऐसे में नौरादेही में टाइगर प्रोजेक्ट शुरू होने के साथ उम्मीद जागी बांधवगढ़ और कान्हा से आए बाघ- बाघिन के जोड़ेने नौरादेही को अपना ठिकाना बनाया। यहां के अनुकूल पर्यावास, घने छिछले जंग और पर्याप्त आहार बाघों को संरक्षण दिया। नतीजा अब बाघ- राधा किशन के कुनबे में बाघों की संख्या 15पहुंच गई है। यहां बाघ इतने सुरक्षित हैं कि शिकार की एक भी कोशिश नहीं हुई है। करीब दो माह पूर्व टेरिटोरियल फाइट में बाघ किशन के मारे जाने की घटना को छोड़ दें तो अब तक बाघों में संघर्ष या उनके साथ कोई अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई है।

फैक्ट फाइल

- टाइगर स्टेट बनने में नौरादेही अभ्यारण के 15 बाघों का भी है योगदान
- 2010 में छिन गया था तमगा
- मप्र में 785 बाघों का बसेरा

तीन जिला के 1200 वर्ग किमी में फैला है अभ्यारण्य भेड़ियों का प्राकृतिक आवास है नौरादेही

नौरादेही अभ्यारण्य तीन जिले की सीमा में फैला हुआ है और प्रदेश का सबसे ब?ा अभ्यारण्य कहलाता है बता दें कि नौरादेही वन्यजीव संचुरी का स्थान सबसे अलग माना जाता है सागर दमोह एवं नरसिंहपुर जिले में फैला है. नौरादेही अभ्यारण्य की स्थापना वर्ष 1975 में की गई थी यह करीब 1200 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है इस अभ्यारण्य में वन्यजीवों की भरमार है।

» न्यूज गैलरी

जिला पंचायत सीईओ ने किया चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण के मद्देनजर मॉडल स्कूल का निरीक्षण

जबलपुर, यशभारत। विधानसभा निर्वाचन की चल रही प्रशासनिक तैयारियों के तहत जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती जयति सिंह ने आज शनिवार को चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण के लिये प्रस्तावित स्थल पंडित लज्जाशंकर झा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल स्कूल के कक्षों का निरीक्षण किया । उन्होंने चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण के लिये इस्तेमाल किये जाने वाले विद्यालय के सभी कक्षों में जरूरी व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिये । निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण प्रभारी एवं परियोजना संचालक आत्मा डॉ एस के निगम, उप संचालक कृषि रवि आम्रवंशी, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, विद्यालय के प्राचार्य मुकेश तिवारी आदि मौजूद थे ।

राजनैतिक दलों की बैठक कल शाम 4.30 बजे

जबलपुर, यशभारत। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 2 अगस्त से जिले में शुरू हो रहे फोटो निर्वाचक नामावली के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 के कार्यक्रम की जानकारी देने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक 31 जुलाई को शाम 4.30 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार बैठक में मतदान केन्द्रों पर मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन, युक्तियुक्तकरण के बाद अनुमोदित मतदान केन्द्रों की सूची तथा विधानसभा के आगामी निर्वाचन के मद्देनजर सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की जानकारी भी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को दी जायेगी।

समरसता सेवा संगठन की सर्व समाज बैठक आज

जबलपुर, यशभारत। समरसता सेवा संगठन जबलपुर द्वारा पूर्व में संपन्न कार्यक्रमों की समीक्षा एवँ आगामी कार्यक्रमों की चर्चा हेतु सर्व समाज की बैठक का आयोजन कल रविवार 30 जुलाई को शाम 4 बजे से गोपाल सदन गोपालबाग में किया गया है।समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने बताया समरस भारत - समर्थ भारत के लिये भारतीय संस्कृति एवं सनातन परम्परा के अनुरूप सामाजिक समरसता के परिपेक्ष्य में सब सबको जाने - सब सबको माने एक अभियान के अंतर्गत समरसता सेवा संगठन पूज्य आराध्यों, संतो,महापुरूषों की जयंती के अवसर पर उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विचार गोष्ठियों एवं सम्मान समारोह का आयोजन लगातार करता आ रहा है ।

कोयंबटूर से जबलपुर स्पेशल गाड़ी की समय सारणी में आंशिक परिवर्तन

जबलपुर यशभारत । रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 02197 कोयम्बटूर से जबलपुर को आने वाली स्पेशल ट्रेन का कोयंबटूर स्टेशन से लेकर तिरुर स्टेशन के मध्य के रेलवे स्टेशनों पर आगमन और प्रस्थान समय में आंशिक परिवर्तन किया गया है। समय सारणी में उक्त बदलाव 21 अगस्त 2023 से प्रभावशील है। गाड़ी संख्या 02197 कोयंबटूर - जबलपुर विशेष गाड़ी कोयंबटूर से तिरुर स्टेशन के मध्य कोयंबटूर से आगामी दिनांक 21 अगस्त से अपने पूर्व समय 15.25 बजे से 15 मिनट पूर्व 15.10 बजे प्रस्थान कर पलक्कड़ जं 16.07 बजे, शोरनूर जं 17.02 बजे और तिरूर स्टेशन पर 17.43 बजे आयेगी । इसके अतिरिक्त उक्त गाड़ी की समय सारणी में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

खदेड़ते हैं, झपटते हैं, बचने के चक्कर में गिरकर घायल हो रहे वाहन चालक

कालौनियों में कुत्तों का आंतक, बधियाकरण पर है रोक

जबलपुर,यशभारत । सड़क पर आवारा जानवरों का बोलबाला है। कालौनियों में बढ़ रही कुत्तों की तादाद अब लोगों के लिए परेशानी को सबब बन रही है । आवारा कुत्ते लोगों या अन्य जानवरों पर हमला करके सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। जहां दोपहिया वाहनों चालकों को ये कुत्ते खदेड़ते हैं। काटते हैं। बचने के प्रयास में वाहन चालक गिर रहे हैं। उनके हाथ-पैर में चोट आ रही है। फ्रेक्चर तक हो रहे हैं।

विजय नगर , उखरी, मिलौनीगंज, चेरीताल, सिविक सेंटर, आमनपुर, गुलौआ, गढ़ा बाजार, इलाकों में पैदल चलने वाले और बाइक सवारों को कुत्ते ऐसे खदेड़ रहे हैं कि जरा सी अनदेखी दुर्घटना का कारण बन रही है। देर रात निकलने वाले बाइक सवारों को आवारा कुत्तों का झुंड घेर लेता है। कई बार बाइक सवार के दहशत में आने पर वाहन का संतुलन बिगडऩे से सड़क दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। आए दिन कुत्तों के काटने से घायल लोग मेडिकल, विक्टोरिया अस्पताल पहुंच रहे हैं। अकेले नहीं निकलने देते बच्चों को शहर के कई इलाकों में तो आवारा कुत्तों की दहशत इतनी ज्यादा है कि लोग उनके डर के कारण अपने बच्चों को घरों से अकेले नहीं निकलने देते। इतने के बाद भी जिम्मेदारों का ध्यान इस बड़ी समस्या की ओर नहीं जा रही है।

कुछ दिन सक्रिय, फिर खाली हाथ गैंग

कहने को अवारा कुत्ते पकड़ने के लिए नगर निगम ने अलग से डॉग कैचर गैंग बना रखी है। उस पर हर महीने लाखों खर्च किए जा रहे हैं। निगम के अधिकारियों का दावा है कि डॉग कैचर गैंग सालभर सक्रिय रहती है। जबकि, हकीकत ये है कि शहर में बड़ी संख्या में लोगों को किसी कुत्ते के काटने के बाद कुछ दिन तो निगम की गैंग सक्रिय हो जाती है। लेकिन, लम्बे समय से डॉग कैचर गैंग फील्ड पर नजर नहीं आ रही है। एनीमल वेलफेयर बोर्ड नई दिल्ली की रोक के बधियाकरण का काम बंद है।

> आवारा कुत्तों के बधियाकरण व वैक्सीनेशन की कार्रवाई पर एनीमल वेलफेयर बोर्ड नई दिल्ली ने रोक लगाई है। इसी कारण से बधियाकरण का काम बंद है। बोर्ड ने शर्त रखी है कि पंजीबद्ध एनजीओ या कंपनी , संस्था को ही बधियाकरण करने की इजाजत मिलेगी। हमने हाल ही में नया टेंडर निकाला है और जो भी एनजीओ या संस्था पंजीकृत होगी उसे ही काम सौंपा जाएगा। पिछली बार हमने टेंडर निकाला था तो दो संस्थाओं ने आवेदन दिया था पर दोनों ने ही पंजीयन नहीं कराया था इसलिए किसी को टेंडर नहीं दिया।
>
> **भूपेन्द्र सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम**

इसके अलावा बच्चों पर भी झपटते हैं। कई कालौनियों में तो दो दर्जन से ज्यादा कुत्ते विचरण कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि न जाने कहां से कुत्तों की संख्या बढ़ रही है। इनमें तो कई बूढ़े हैं। शहर में आवारा कुत्तों की समस्या से बड़ी आबादी परेशान है। आवारा कुत्तों के काटने से कई घायल हो चुके हैं। नगर निगम की सीएम हेल्प लाइन में भी आवारा कुत्तों से जुड़ी दर्जनों शिकायत पहुंचती है लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

मुहर्रम का समापन :रानीताल कर्बला में सवारी ताजिया ठंडे

ये हुए शामिल हिंदू, मुस्लिम धर्मावलंबियों ने एक साथ शरीक होकर पेश किये संस्कारधानी के संस्कार

जबलपुर यशभारत। पैगंबरे इस्लाम हज़रत (सल्ल) के नवासे हज़रत इमाम हुसैन की शहादत के महापर्व मुहर्रम का शनिवार को साय रानीताल कर्बला मे सवारी ताजिये ठंडे करने के साथ समापन हुआ। मुहर्रम के दौरान कौमी एकता, संस्कारधानी के संस्कार, संप्रदायिक सद्भाव, के अनूठे नजारे नज़र आए। मुस्लिमों के साथ बड़ी तादाद मे हिंदूओं ने भी श्रधा और अक़ीदत के साथ सवारियां रखी, सजावट की तथा लंगर बाँटा। मुहर्रम पर प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गए। हालांकि रानीताल कर्बला मार्ग सड़के व्यवस्थित न होने पर सवारी ताजियो के बेड़े वालों को परेशानी जरूर हुईसामूहिक जुलूस- दोपहर बाद नमाज़ जुहर नगर के विभिन्न अंचलों से सवारी ताजिये के जुलूस निकलना शुरू हुए। जुलूस मे लगभग 300 सवारियां तथा 40 बड़े ताजियो के साथ अनेकों छोटे ताजिये शामिल हुए। बड़ी संख्या मे वाहनों मे लंगर ए इमाम आली मुकाम त?सीम किया गया। मुस्लिम बहुल क्षेत्र का जुलूस बहोराबाग, चार खंबा, मछली मार्केट, मिलौनी गंज, कोतवाली, कमानिया, फुहारा, बल्देव, आगा चौक होते हुए रानीताल कर्बला पहुँचा। जुलूस पथ के दोनों और खड़े जायरीनों ने ताजिये सवारियो की ज्यारत की तथा नम आँखो से विदाई दी। कलात्मक ताजिये सवारी- मुहर्रम के जुलूस मे भव्य एवं कलात्मक ताजिये शामिल थे। बुर्राक वाला ताजिया जनाकर्षण का केंद्र था। कांधो पर रखे ताजिया अक़ीदतमंद या हुसैन के नारे बुलंद कर रहे थे। जायरीन अपने बच्चों को ताजिये के नीचे से निकाल रहे थे, ताकि उनपर इमाम आली मुकाम की नज़रे करम बनी रहे। जुलूस मे विभिन्न आकार प्रकार की सवारियां शामिल थी। बाबा हज़रात पर च्हालज की आमद थी। अनेकों सवारियों पर चांदी के सुंदर छत्र सुशोभित थे। मखानो से निर्मित कई सवारियां विशालकार थी। कलात्मक सवारियों की साज सज्जा आकृष्ण थी। हरे, लाल, नीले मखमल पर जड़ी मोतियों की नक्काशी जगमगा रही थी। सवारियो के जुलूस मे शामिल अक़ीदत मंद या अली के नारे लगा रहे थे। वाहनों पर लंगर- मुहर्रम के जुलूस मे बड़ी तादाद मे वाहनों पर लंगर तकसीम किया गया। नायबे मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना मोहम्मद मुशाहिद रज़ा कादरी भी जुलूस पथ का निरिक्षण करने पहुँचे और कहा कि मुहर्रम पर्व पर हिंदू मुस्लिम धर्मावलंबियों ने जो एकता का परिचय दिया है बो काबिले तारीफ है हम जबलपुर संस्कारधानी निवासियों की सरहाना करते है।

भागलपुर एक्सप्रेस में भाग कर जा रहा था नाबालिग टिकट निरीक्षक ने पकड़ा

जबलपुर यश भारत। घर में परिजनों से नाराज़ होकर बिना बताए भागलपुर एक्सप्रेस से भाग रहे एक नाबालिक को टिकट निरीक्षक में पड़कर आरपीएफ को सुपुर्द करने के बाद चाइल्ड लाइन के माध्यम से परिजनों को सूचना दी गई । इस संबंध में आफ नरसिंहपुर ने जानकारी में बताया कि जबलपुर से प्रधान आरक्षक पुष्पराज पाण्डेय ने रेसुब पोस्ट, पिपरिया में सूचना दी कि एक बालक गाड़ी संख्या 12335 से घर से भागकर जा रहा है, जिसे टीटीई सेवानंद ने पकड़ रखा है। उक्त सूचना रेसुब आउट पोस्ट नरसिंहपुर को दी गई, जिस पर उपनिरीक्षक बी.पी. मेहरा व प्रआर शालिनी पाल द्वारा उक्त गाड़ी को अटेण्ड कर बालक को समझाईश देकर गाड़ी से उतारा गया व समझा-बुझाकर रेसुब आउट पोस्ट, नरसिंहपुर लाए। उक्त बालक से सहानुभूति पूर्वक पूछताछ की गई तो बालक ने अपने को निवासी-ग्राम ब्रम्हपुर, थाना-ब्रम्हपुर, जिला-बक्सर बिहार बताया व बताया कि उसके पिता उसे बोर्डिंग स्कूल पढ़ने के लिए भेज रहे थे, किंतु वह नहीं जाना चाहता था, जिससे परिजनों से नाराज होकर वह घर से भागकर आ गया था।उक्त बालक के मिलने की सूचना चाईल्ड लाईन, नरसिंहपुर के प्रबंधक मदन साहू को दी गई, जिस पर वह आउटपोस्ट पर उपस्थित हुए व बालक के बताए अनुसार चाईल्ड लाईन द्वारा बालक के परिजनों से संपर्क कर उसके मिलने की सूचना दी गई समक्ष गवाहन उक्त बालक को सही सलामत चाईल्ड लाईन / नरसिंहपुर को अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंप दिया गया।

जबलपुर सैन्य स्टेशन में पौधारोपण अभियान

जबलपुर, यशभारत। कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 28 जुलाई 2023 को जबलपुर मिलिट्री स्टेशन में ग्रेनेडियर्स रेजिमेंटल सेंटर के तत्वावधान में सैनिकों, अग्निवीरों, भूतपूर्व सैनिकों, स्कूली बच्चों और आर्मी पब्लिक स्कूल-1 के शिक्षकों द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। जनरल एम के दास,जी ओ सी मध्य भारत एरिया की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और अधिक महत्त्वपूर्ण बनाते हुए इस अभियान का नेतृत्व किया। ट्रीज़ फॉर पीस नामक एनजीओ और स्टेशन सेल द्वारा उपलब्ध कराये गए कुल 7500 पे?ों को जबलपुर मिलिट्री स्टेशन में वृक्षारोपित किया जायेगा,जिससे जबलपुर शहर और अधिक हरा-भरा एवं पर्यावरण अनुकूलित शहर बन जायेगा । इस पहल की वहां उपस्थित सभी लोगों ने सराहना की, जिसने युवाओं और बच्चों को प्रकृति से जुड़कर और अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया ।जीओसी,मध्य भारत एरिया ने आर्मी पब्लिक स्कूल में हर्बल गार्डन का भी उद्घाटन किया जो की पूरे जबलपुर मिलिट्री स्टेशन में अपनी तरह का एक पहला हर्बल गार्डन है । उन्होंने हर्बल गार्डन की संकल्पना,योजना और तैयारी में शामिल आर्मी पब्लिक स्कूल के सभी कर्मचारियों की प्रशंसा की तथा उपस्थित सभी छात्रों को प्रकृति एवं हरियाली से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया।

अग्निवीर रैली में 1032 हुए पास

दौड़ एवं बायोमैट्रिक का दौर पूर्ण

जबलपुर,यशभारत। अग्निवीर भर्ती रैली के दौड़ एवं बायोमैट्रिक का दौर पूर्ण हो गया। जबलपुर भर्ती मुख्यालय में आन लाइन लिखित परीक्षा के बाद शारीरिक दक्षता परीक्षा में मुख्यालय क्षेत्र के 14 जिलों से 5579 अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र भेजा गया। इनमें से 4892 रैली में शामिल हुए और 1032 ने दौड़ और बायोमैट्रिक के चरण को पार कर लिया।अग्निवीर भर्ती रैली जनरल डिवीजन के लिए दौड़ और बाायोमैट्रिक परीक्षा का चरण पूरा हो गया। इस प्रक्रिया में 5579 में से 4892 ने भाग लिया। इनमें से अगले चरण के लिए 1032 ने पात्रता हासिल की। इस तरह से रैली में शामिल होने वालों का प्रतिशत 87.68 रहा। जबकि शामिल उम्मीदवारों में से अगले चरण के लिए सफल होने वालों का प्रतिशत 18.4 रहा।मुख्यालय द्वारा 28 जुलाई को अग्निवीर टेक्नीकल, अग्निवीर क्लर्क और एसकेटी के लिए फिजिकल टेस्ट का आयोजन किया गया। गया। इस दौरान अग्निवीर टेक्नीकल के 417 और अग्निवीर क्लर्क व एसकेटी के लिए 238 लोगों को बुलावा पत्र भेजे गए। इनमें से 352 अग्निवीर टेक्नीकल व अग्निवीर क्लर्क और एसकेटी श्रेणी के 195 अभ्यर्थी शामिल हुए। इनमें से 104 अग्निवीर टेक्नीकल व 52 अग्निवीर क्लर्क और एसकेटी के उम्मीदवारों ने अगले चरण के लिए क्वालीफाई किया।

फिर बढ़ी बारिश की आस

जबलपुर, यशभारत । मौसमी प्रणालियां सक्रिय हो रही है इसके असर से आगामी 24 घंटे के दौरान जबलपुर सहित संभाग के अनेक स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून के सक्रिय होन के साथ ही उसम भरी गर्मी से हलकान लोगों को राहत मिलेगी। आज से लेकर अगले तीन दिन तक जबलपुर संभाग में मध्यम बारिश होगी। इसके बाद तेज बारिश होने के संभावना है। मानसून सीजन में अब तक 537.5 मिलीमीटर बारिश हुई है । वहीं गत वर्ष मानसून सीजन में अब तक कुल 590. 3 मिलीमीटर यानी इंच बारिश हो चुकी थी। शनिवार को अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जबकि रविवार की सुबह का तापमान 25 डिसे था । वहीं सुबह की आद्रता 87 प्रतिशत आंकी गई।

506 आर्मी बेस वर्कशॉप में लाल परचम लहराया

श्रमिक संघ हथौड़ा 7 में तो बीपीएमएस 3 सीट पर विजयी

जबलपुर यशभारत।शनिवार को 506 आर्मी बेस वर्कशॉप में संपन्न हुए वर्क्स कमेटी चुनाव में लाल झंडे के श्रमिक संघ (हथौड़ा) के 7 उम्मीदवारों ने विजय हासिल कर वर्क्स कमेटी पर कब्जा कर लिया वहीं केंटीन की दो सीटों में से एक सीट श्रमिक संघ के पाले में आई।पिछली बार 7 सीटें जीत कर वर्क्स कमेटी में काबिज रही पीले झंडे बीपीएमएस को तीन सीटों पर सफलता मिली।

दोपहर डे? बजे के बाद शुरू हुई मतगणना में श्रमिक संघ के विकास यादव, परमानंद मोहंती,शिव केवट,हिमतोष रैकवार, दुर्गेश केवट, विनोद कुमार, और नितिन यादव के साथ केंटीन कमेटी में राघवेंद्र सिंह विजयी घोषित किए गए।वहीं बीपीएमएस के दिनेश राय, अतुल साहू और गुलाब सिंह के साथ केंटीन कमेटी के लिए अमित मिश्रा निर्वाचित हुए।चुनाव परिणाम घोषित होने के साथ ही वर्कशॉप में श्रमिक संघ के कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाना शुरू कर दी।परिणामों की घोषणा के बाद श्रमिक संघ के विजयी प्रत्याशियों का विजय जलूस निकला जिसमें अन्य सुरक्षा संस्थानों के एआईडीईएफ के श्रमिक नेता अनिल शर्मा, अर्नव दास गुप्ता, राकेश दुबे के साथ वर्कशॉप के भरत बेरिया जे एस भाटिया आर के सोनी दास दादा राजेन्द्र नामदेव आदि शामिल रहे।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना

पांच दिनों में दर्ज हुये साढ़े पांच हजार आवेदन

*जबलपुर, यशभारत। राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में किये गये संशोधनों के मुताबिक जिले में 25 जुलाई से 20 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की पुन: शुरू की गई प्रक्रिया के तहत पांच दिनों में 5 हजार 427 आवेदन ऑनलाइन दर्ज हो चुके है। रविवार 30 जुलाई को पोर्टल बंद रहने की वजह से योजना के तहत आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में हुये नवीन संशोधनों के अनुक्रम में 21 जनवरी 2023 की स्थिति में 21 वर्ष या उससे अधिक आयु की परन्तु 23 वर्ष से कम आयु की पात्र विवाहित महिलाओं से निर्धारित केंद्रों पर ऑनलाइन आवेदन लिये जा रहे हैं। इसी प्रकार 21 जनवरी 2023 को 23 वर्ष या उससे अधिक परन्तु 60 वर्ष से कम आयु वर्ग की ऐसी विवाहित महिलाओं से भी आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं, जो चार पहिया वाहन के रूप में केवल ट्रेक्टर वाहन स्वामी परिवार की महिला होने के कारण पूर्व में अपात्र थीं। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का लाभ लेने नवीन पात्र महिलायें अपना आवेदन 20 अगस्त तक ग्राम पंचायतों में सचिव के माध्यम से एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर बनाये गये।

» न्यूज गैलरी

दयोदय का लाखेरी एवं दो गाड़ियों की अवधि बढ़ी

जबलपुर यशभारत । रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु दयोदय एक्सप्रेस का लाखेरी स्टेशन पर, अवध एक्सप्रेस का रामगंजमंडी स्टेशन पर तथा कोलकाता ङ्क मदार जं. - कोलकाता एक्सप्रेस बूंदी स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव की अवधि को अगले छः माह तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है । अब गाड़ी संख्या 12181/12182 जबलपुर ङ्क अजमेर - जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस का लाखेरी स्टेशन पर, गाड़ी संख्या 19037/19038 बांद्रा टर्मिनस ङ्क बरौनी ङ्क बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस का रामगंजमंडी स्टेशन पर तथा गाड़ी संख्या 19607/19608 कोलकाता ङ्क मदार जं. - कोलकाता एक्सप्रेस बूंदी स्टेशन में अगले छः माह तक रूकती रहेंगी।

1) गाड़ी संख्या 12181/12182 जबलपुर ङ्क अजमेर - जबलपुर के मध्य प्रतिदिन चलने वाली दयोदय एक्सप्रेस ट्रेन का लाखेरी स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छः माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 06 अगस्त, 2023 तक किया गया था जिसको अब बढ़ाकर 02 फरवरी, 2024 तक कर दिया गया है।

2) इसी तरह गाड़ी संख्या 19037/19038 बांद्रा टर्मिनस ङ्क बरौनी ङ्क बांद्रा टर्मिनस के मध्य प्रतिदिन चलने वाली अवध एक्सप्रेस ट्रेन का रामगंजमंडी स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छः माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 05 अगस्त, 2023 तक किया गया था जिसको अब बढ़ाकर 01 फरवरी, 2024 तक कर दिया गया है।

3) इसी तरह गाड़ी संख्या 19607/19608 कोलकाता ङ्क मदार जं. - कोलकाता के मध्य साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन का बूंदी स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छः माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 07 अगस्त, 2023 तक किया गया था जिसको अब बढ़ाकर 03 फरवरी, 2024 तक कर दिया गया है। यात्री इन ट्रेनों की प्रायोगिक ठहराव की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 एवं ऑनलाइन से भी प्राप्त कर सकते है।

कैंट में कुत्तों को दिया जहर, दो की मौत - युवक ने कहा- सभी को काटते थे, सुला दिया मौत की नींद

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के कैंट थाना अंतर्गत कुत्तों के काटने पर एक युवक ने उन्हें जहर दिया जिससे दो कुत्तों की मौत हो गयी। पूरी घटना को एक युवती ने देखा और उसे अपने मोबाइल पर रिकॉर्ड कर लिया। जिसकी शिकायत थाना कैंट में की गई है। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आने के बाद पुलिस से कार्रवाई की मांग की गई है। जानकारी अनुसार थाने पहुंची युवती ने बताया कि वह अपने पापा के साथ बाइक में जा रही थी। तभी राकेश काछी कुत्तों को जहर दे रहा था। पूछने पर राकेश ने युवती को बताया कि वह सभी को काट रहे थे। जिसके बाद ही उन्हें जहर दिया गया है। फिलहाल पूरा मामला जांच में है। पुलिस तफ्तीश में जुटी है।

सेल्फी का एंगल सेट करने जान जोखिम में डाल रहे लोग, कई हादसों के बाद भी सबक नहीं

जबलपुर,यशभारत। शहर से करीब 50 किलोमीटर की रेंज में पानी वाले कई पिकनिक स्पॉट हैं। झमाझम बारिश के बीच पिकनिक का लुत्फ उठाने लोग अपनी जान की बाजी लगाकर यहां पहुंच रहे हैं और अपनी मनमानी कर रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट में हर वर्ष करीब 25 लोगों की हादसे में जान जा रही है। इंस्टाग्राम, फेसबुक पर पिकनिक स्पॉट पर खींची गई सेल्फी की फोटो के लिए लोग अपनी जान की बाजी लगा रहे हैं। पिछले एक वर्ष के भीतर बारिश के समय पिकनिक स्पॉट्स पर पैर फिसलकर घटित हुए कई हादसों में कई जानें जा चुकीं हैं फिर भी लोग सतर्कता बरतने तैयार नहीं है। यशभारत की टीम बारिश के समय धुंआधार सहित पानी के अन्य पिकनिक स्पॉट पर लोगों की हरकतें जानने पहुंची तो जो कैमरे में तस्वीरें कैद हुईं वो हैरानी वाली रहीं।

तेज बहाव के बीच सेल्फी लेते कई लोग कैमरे में कैद हुए और नर्मदा किनारे पानी के तेज बहाव के पास बैठक दिखे। अगर इसी बीच पानी का जलस्तर बढ़ा तो ये सभी एक बड़े हादसे का शिकार हो सकते हैं। यशभारत की टीम ने इन लोगों से जब कहा कि आप लोग यहां से अलग हो जाइए पानी का बहाव तेज है तो उनका कहना था कि हम लोग खुद समझदार हैं, हमें कुछ नहीं होगा। उधर ग्रामीण अंचलों में लोग पुल, रपटे में देखते हैं कि पानी ओवर-फ्लो है फिर भी यहां से वाहन निकालते हैं और हादसे का शिकार होते हैं।

ये हैं मुख्य पिकनिक स्पॉट्स

शहर से कुछ दूरी पर स्थित बरगी डेम, धुंआधार, न्यू भेड़ाघाट, निदान फॉल, बगदरी फॉल, पायली, गौ बछिया घाट, भैंसाघाट, गौर भदभदा, खंदारी, जमतरा, परियट, लम्हेटा, गोपालपुर मुख्य पिकनिक स्पॉट की श्रेणी में आ चुके हैं और यहां पानी का आकर्षक नजारा देखने युवाओं सहित परिवारों की भीड़ बारिश के समय कुछ ज्यादा ही पहुंच रही है।

एसपी ने दिए निर्देश

बारिश के समय पिकनिक स्पॉट्स पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए एसपी तुषारकांत विद्यार्थी द्वारा संबंधित सभी टीआई को निर्देश दिए जा चुके हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्थित पिकनिक स्पॉट पर पुलिस की चौकस व्यवस्था करें और वहां घूमने आने वालों को डेंजर प्वाइंट में जाने से रोकें।

ये हादसे हुए

केस-1 विगत 9 जुलाई की शाम को न्यू भेड़ाघाट के गोपालपुर के व्यू प्वाइंट पर मछली पकड़ते वक्त पानी के तेज बहाव में 4 युवक 16 घंटे तक फंसे रहे, नौबत सेना बुलानी की पड़ी फिर चारों युवकों को सेना ने रेस्क्यू करके बाहर निकाला था।

केस-2 विगत 9 जुलाई की सुबह भेड़ाघाट में तेज बारिश के दौरान सेल्फी लेते समय 3 युवक बह गए थे लेकिन स्थानीय गोताखोरों द्वारा उन्हें बचा लिया गया था।

केस-3 विगत 3 जुलाई को न्यू भेड़ाघाट के स्वर्गद्वारी के पास सेल्फी लेते समय शाहनाला निवासी नितिन ठाकुर का पैर फिसला और वह पानी में गिरकर मृत हो गया था।

केस-4 जनवरी 2022 में मुंबई के घाटकोपर निवासी हंसा सोनी और रिद्धि सोनी सेल्फी लेते वक्त भेड़ाघाट धुंआधार में बह गई थीं जिनकी कुछ दूरी पर लाशें मिली थीं।

केस-5 17 जुलाई को बरेला पड़वार के सलैया गांव में रपटा पार करते वक्त ट्रेक्टर ट्राली सहित 2 युवक पानी में बह गए थे। राजा चौधरी, सौरभ की लाश घटना स्थल से करीब आधा किलोमीटर दूर पुलिस को मिली थी। इसके साथ ही विगत 27 जून को मझौली के ग्राम गाढ़ा गनियारी हिरण नदी पुल में पानी के ओवर-फ्लो के दौरान ट्रेक्टर सहित चालक बह गया था।

बरगी बांध के गेट खुलते ही बढ़ता है जलस्तर

बारिश के समय बरगी बांध के गेट खुलते ही नर्मदा का रूप और भी रौद्र हो जाता है। जिसके बाद इस नजारे को देखने के लिए पर्यटक की भीड़ उमड़ रही है। ऐसे पिकनिक स्पॉट पर अक्सर कोई दुःखद घटना होती है तो फिर प्रशासन चेतता है और फिर कुछ दिन बाद सब कुछ पहले जैसे ही हो जाता है और लोग फिर अपनी मनमानी पर उतारू हो जाते हैं। इसकी मुख्य जवाबदारी उन परिवारों की होती है जो अपनी मनमानी कर तेज बारिश के दौरान जान जोखिम में डालकर घाटों और स्पॉट पर पहुंचते हैं।

शिक्षा विभाग को नये आयाम पर पहुंचाया

जबलपुर, यशभारत। मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संगठन के जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह ठाकुर ने कहा, जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्रीमान जिला शिक्षा अधिकारी,जबलपुर धनश्याम सोनीह्र द्वारा शिक्षा विभाग में अपने कार्यशैली,प्रशासनिक अनुभव,अनुशासन, प्रशासन एवं तालमेल से ना केवल शिक्षा जगत में प्रगति दिलावाई अपितु सी.एम. राइज.स्कूलों में नई उर्जा डाल कर आदर्श स्कूल में परिवर्तित कर दिया। मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संगठन के दिलीप सिंह ठाकुर, भास्कर गुप्ता, ऋषि पाठक, सतीश खरे, धर्मेंद्र परिहार, नितिन तिवारी, विश्वनाथ सिंह, आकाश भील, जी आर झारिया, सुरेंद्र परसते, दुर्गेश खातरकर,अजब सिंह,पवन सोयाम, भोजराज विश्वकर्मा, आदेश विश्वकर्मा, सुल्तान सिंह, देवराज सिंह, गंगाराम साहू, भोगीराम चौकसे, रवि केवट,महेश मेहरा ने जिला शिक्षा अधिकारी को शिक्षा विभाग को भविष्य में और नई उंचाईयों तक पहुंचाने की शुभकामनायें दीं।

कैंट में कांग्रेसियों की बैठक - कार्यकर्ताओं ने कहा- प्रत्याशी को मिलकर जिताएंगे

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के सदर स्थित शिवाजी ग्राउंड के सामने केंट कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई । जिसका मुद्दा था केंट की माटी कैंट का मानव। कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर अपने अपने विचार व्यक्त किए और एकमत होकर कहा कि कांग्रेस में कैंट से जिसको भी टिकट मिलेगी कांग्रेस मिलकर उस प्रत्याशी को जिताएंगे।

संजीवनी क्लीनिक का सपना अब भी अधूरा

जबलपुर, यशभारत। जब संजीवीनी क्लीनिक का ऐलान किया गया था, तब बेहतर इलाज का सपना देख रहे शहरवासियों ने प्रसन्नता जाहिर की थी। संजीवनी क्लीनिक शुरु होने का इंतजार इतना लम्बा होगा यह किसी ने नहीं सोचा था। हर वार्ड में एक संजीवनी क्लीनिक खुलनी है। वार्डों में जो नए क्लीनिक खोले जाने थे, उनमें अब तक महज महज तीन वार्ड में ही क्लीनिक का संचालन शुरू हो सका है। इनमें से गणेशगंज, कस्तूरबा वार्ड, गुप्तेश्वर के संजीवनी क्लीनिक शामिल हैं। हड्डी गोदाम में भी भवन का निर्माण पूरा हो गया है। जल्द ही यहां संजीवनी क्लीनिक शुरू किया जाएगा। बाकी जगह इंतजार और इंतजार जारी है। बताया जा रहा है कि ये क्लीनिक स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के बीच खींचतान में उलझ गई हैं। वहीं कई जगह क्षेत्रीय राजनीति ने काम रुकवा दिया है। योजना के तहत भवन नगर निगम को उपलब्ध कराना है। जहां पहले से सरकारी भवन है वहां मरम्मत और जहां नहीं है वहां खाली जमीन ढूंढकर भवन निर्माण नगर निगम की जिम्मेदारी है। जिसके बाद स्वास्थ्य सेवाएं स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराना है। बताया जा रहा है कि बाजनामठ, तेवर, कुंगवां, गुलौआ, मदनमहल, मदनमहल अम्बेडकर भवन, पुरवा में पुराना कांजी हाउस, गैस गोदाम रोड मदनमहल में भवन निर्माण जारी है। वहीं अन्य सभी जगह अब भी भवन या जगह की तलाश जारी है। जिस गति से कार्य चल रहा है उससे इस साल तो कार्य पूरा होता नहीं दिख रहा।

एम.पी. ट्रांसकों ने सिवनी जिले की पारेषण क्षमता हुई मजबूत

जबलपुर,यशभारत। एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) ने सिवनी जिले के 132 के.व्ही. सबस्टेशन सिवनी में एक 63 एम.व्ही.ए. क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि जबलपुर से 145 कि.मी. दूर स्थापित इस ट्रांसफार्मर को बिजली कंपनी के मुख्यालय जबलपुर से पावर सेक्टर की एडवांस टेक्नालॉजी के माध्यम से ऊर्जीकृत करने में सफलता हासिल हुई है। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि लगभग 05 करो? रूपये की अनुमानित लागत से स्थापित इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से सिवनी जिले की पारेषण क्षमता को सुदृ?ता प्रदान हुई है। इस ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से सिवनी 132 के.व्ही. सबस्टेशन की क्षमता ब?कर 113 एम.व्ही.ए. की हो गई है। इससे सिवनी शहर के अलावा बरघाट, मलारा, केवलारी, कुरई, अरी, कारीरात एवं गोपालगंज ग्रामीण क्षेत्रों से जु? विद्युत उपभोक्ताओं के साथ सिवनी शहर में पानी की आपूर्ति करने वाले पी.एच.ई. फीडर को काफी फायदा पहुंचेगा, अब उन्हें उचित वोल्टेज पर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि 132 के.व्ही. सबस्टेशन सिवनी में ब?ते हुए लोड के मद्देनजर पूर्व में स्थापित 40 एम.व्ही.ए. क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर अधिक क्षमता के ट्रांसफार्मर की जरूरत महसूस हुई जिसे देखते हुए एम.पी. ट्रांसको ने सबस्टेशन में नया 63 एम.व्ही.ए. क्षमता का ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने इस सफलता के लिए एम.पी. ट्रांसको के कार्मिकों को बधाई दी है। जबलपुर से एच.एम.आई (हयूमन मशीन इंटरफेस) तकनीक का उपयोग करते हुये कम्प्यूटर का माउस क्लिक कर 145 किलोमीटर दूर सिवनी में इस ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया। सिवनी जिले में ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत करने के लिए इस तकनीक का उपयोग पहली बार किया गया है। इस तकनीक में मानव और कम्प्यूटर मशीनों के तालमेल से सबस्टेशनों के उपकरणों को नियंत्रित और संचालित किया जाता है।

स्टेशन की फर्श पर टपक रहे पानी से फिसल कर गिर रहे यात्री

जीआरपी सहायता केंद्र में भी छत से टपक रहा पानी

जबलपुर, यशभारत। मुख्य रेलवे स्टेशन पर जगह-जगह छत के टपकते पानी से यात्री उसमें फिसल कर गिर रहे मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के प्रवेश द्वार पर छत से टपक रहे पानी फर्श पर गिर रहा है जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसी तरह से प्लेटफार्म नंबर 6 पर ही जीआरपी का सहायता केंद्र बना हुआ है जिसके ऊपर वाली छत से पानी जाकर वहां पर जमा हो जाता है जीआरपी कर्मियों को सहायता केंद्र पर बैठने में दिक्कतें हो रही है उल्लेखनीय की जहां एक ओर करोड़ों रुपए खर्च कर मुख्य रेलवे स्टेशन को भी एयरपोर्ट की तर्ज पर आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रयासरत है वही जगह-जगह छत से टपकते पानी के कारण स्टेशन पहुंचे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना

पड़ रहा है यात्रियों के अनुसार जबलपुर रेलवे स्टेशन को यह कैसा नया लुक दिया जा रहा है जहां पर तमाम अवस्थाएं फैली नजर आ रही है।

हवन सामग्री का निशुल्क वितरण आज

जबलपुर, यशभारत। बड़े फुहारा स्थित खुन्नेलाल एंड कंपनी आयुर्वेदिक दवाई की दुकान में जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के अंतर्गत 30 जुलाई रविवार सुबह 9-00 बजे से रात 9-00 बजे तक लगातार ज?ी बूटियों की हवन सामग्री जिसमे 60 से अधिक अद्भुत ज?ी बूटियों का संकलन है जिसे लगातार वितरित किया जाएगा सावन माह के हर रविवार को हवन सामग्री बांटी जा रही है यह चौथा रविवार है पुरुषोत्तम महीना प?ने के कारण चार रविवार अभी और इसके बाद बांटा जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया हवन करने से वातावरण शुद्ध के अलावा कीटाणुओं का नाश होता है सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है। नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल ने बताया सावन माह में एक आहुति ओम औषधि स्वाहा की अवश्य करें जिससे रोगों से मुक्ति मिलेगी।

बिजली कर्मचारी महासंघ की बैठक

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र बिजली कर्मचारी महासंघ की कार्यकारिणी के महामंत्री मणिराज विश्वकर्मा के नेतृत्व में आज दोपहर 12 बिजली कर्मचारी महासंघ कार्यालय रामपुर में बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व क्षेत्र बिजली कर्मचारियों अधिकारियों की समस्याओं पर चर्चा उपरांत हल की रणनीति बनाई जाएगी। बैठक में उपस्थिति की अपील संयुक्त महामंत्री हरि सिंह मरावी ने की है।

जीआरपी के अथक प्रयास के बाद भी यात्री ने उपचार के दौरान तोड़ दिया दम

महानगरी से गिरकर ट्रेन में फस गया था यात्री

जबलपुर यश भारत। छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से चलकर बनारस जाने वाली महानगरी एक्सप्रेस से एक 63 वर्षीय वृद्ध मदन महल स्टेशन में पानी लेने के लिए उतरा था इसी दौरान ट्रेन अपने गंतव्य की ओर रवाना होने लगी तो वृद्ध ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन के नीचे गिरकर फस गया मदन महल जीआरपी प्रभारी राजेश राज ने जब यह दृश्य देखा तो चेन पुलिंग कर गाड़ी को रोक दिया गया और ट्रेन के नीचे फसे वृद्धको कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकल गया। इस घटना के संबंध में

जीआरपी ने जानकारी में बताया कि जौनपुर उत्तर प्रदेश निवासी 63 वर्षीय रमाकांत सिंह पिता सीताराम सिंह महानगरी एक्सप्रेस में मुंबई से यात्रा कर रहे थे ट्रेन मदन महल आने के बाद उक्त वृद्ध पानी लेने के लिए नीचे उतरा था इसी दौरान महानगरी एक्सप्रेस बढ़ने लगी तो उसने दौड़कर चढ़ने का प्रयास किया इसी दौरान वह ट्रेन के नीचे आ गया जानकारी के अनुसार यात्री को ट्रेन के नीचे गिरते देखा जीआरपी ने चेन पुलिंग कर यात्री को बाहर निकाल जिसे बाद में उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल रवाना किया गया जहां उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया इस घटना की जानकारी पीड़ित पक्ष को जीआरपी द्वारा दी गई है जीआरपी ने पंचनामा कार्रवाई के उपरांत मर्ग कायम कर घटना को विवेचना में लिया है।

पश्चिम मध्य रेल्वे
इंजीनियरिंग विभाग, खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है । **निविदा सूचना क्रमांक :** डी.आर.एम.डब्लू-जे.बी.पी-158-2023 दिनांक: 26.07.2023, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** वरिष्ठ मंडल अभियंता (पूर्व) क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कटनी-सिंगरौली खंड पर 38.23 किमी. थ्रू रेल नवीनीकरण (पी) का कार्य । **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये :** 2,41,64,907/-, **बयाना राशि रुपये :** 2,70,800/-, **समापन अवधि :** 12 माह, **निविदा सूचना क्रमांक :** डी.आर.एम.डब्लू-जे.बी.पी-159-2023 दिनांक: 26.07.2023, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** जबलपुर मंडल में सीओपी का प्रावधान/विस्तार । (उंचेहरा-प्लेटफार्म नंबर 1 पर 2 बे (32 मीटर) का प्रावधान, प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 पर 2 बे (32 मीटर) का प्रावधान, झुकेही-प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर 2 बे (32 मीटर) का विस्तार और प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 पर 4 बे (64 मीटर) और अमदरा-प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर 2 बे (32 मीटर) का प्रावधान) । **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये:** 2,04,76,456/-, **बयाना राशि रुपये :** 2,52,400/-, **समापन अवधि :** 10 माह, **निविदा सूचना क्रमांक :** डी.आर.एम.डब्लू-जे.बी.पी-160-2023 दिनांक: 27.07.2023, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** मंडल इंजीनियर (मध्य) जबलपुर के अधिनस्थ (सी.ओ.डी, सी.एम.वाई, आर्सेनल एवं 506) मिलटरी साइडिंग जबलपुर में कम्पलीट ट्रेक रेन्युवल 16.78 कि.मी. एवं 40 नं. पी.एस.सी. स्लीपर पर नये 52 के.जी. टर्न आउट द्वारा मौजूदा एसटी/वुडन स्लीपर पर 90 आर 1 इन 8.5/12 टर्न आउट के प्रतिस्थापन और 2 नं. पी.एस.सी. स्लीपर पर नये 52 के.जी. डीरेलिंग स्विच द्वारा एसटी स्लीपर पर मौजूदा 90 आर डीरेलिंग का प्रतिस्थापन । **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये:** 3,91,05,682/-, **बयाना राशि रुपये :** 3,45,500/-, **समापन अवधि :** 18 माह, **निविदा सूचना क्रमांक :** डी.आर.एम.डब्लू-जे.बी.पी-161-2023 दिनांक: 27.07.2023, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** मंडल इंजीनियर (पूर्व) जबलपुर के क्षेत्राधिकार में दो विविध कार्य: पार्ट ए कटनी-सिंगरौली सेक्सन: ब्यौहारी एवं निवास रोड के बीच (ब्यौहारी में-56, दुबरीकला में-12, जोबा में-6, मरवासग्राम में-14, शंकरपुरभदौरा में-8 एवं निवासरोड में-12, टोटल-108 नंबर्स) सिंगल रुम क्वार्टर्स को टाइप-II क्वार्टर्स के समकक्ष रुपांतरण करना । पार्ट बी. कटनी-सिंगरौली सेक्सन: बरसान्डी एवं गोंडावली के बीच (बरसान्डी में-12, सुरसराईघाट झरा में-8, सरईग्राम में-34, गजराबहारा में-06, देवराग्राम में-12, मझौली में-08, बरगवाँ में-16, एवं गोंडावली में-08, टोटल-104 नंबर्स) सिंगल रुम क्वार्टर्स को टाइप-II क्वार्टर्स के समकक्ष रुपांतरण करना । **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये:** 2,79,60,814/-, **बयाना राशि रुपये :** 2,89,800/-, **समापन अवधि :** 18 माह, **निविदा सूचना क्रमांक 158 से 161 निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे:** 22.08.2023, **निविदा सूचना क्रमांक 158 से 161 निविदा खुलने की तिथि एवं समय 15.15 बजे:** 22.08.2023, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है । पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट से डाउन लोड की जा सकती है ।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य),
पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर

कोरोना को हराना है, तो टीका लगवाना है

आयोजन

पाथेय एवं वर्तिका संस्था कीआयोजना उमा मिश्रा प्रीति के लघुकथा संग्रह उड़ान का विमोचन संपन्न

मन की सुप्त चेतना को जागृत करते हैं साहित्यकार

जबलपुर, यशभारत। समाज में सकारात्मक वैचारिक योगदान देने में साहित्यकार की विशिष्ट भूमिका है।साहित्यकार मन की सुप्त चेतना को जागृत करते हैं।कथाकार-कवयित्री श्रीमती उमा मिश्रा प्रीति ने देशकाल के साथ जीवन संस्कारों की लघु कथाओं का सृजन किया है ।सामाजिक विसंगतियों के उन्मूलन में इन लघुकथाओं का विशिष्ठ महत्व है। व तदाशय के उद्गार कला, साहित्य, संस्कृति को समर्पित च्पाथेयज्एवं च्वर्तिकाज्संस्था के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ साहित्यकार उमा मिश्रा प्रीति के लघु कथा संग्रह च्उड़ानज्का विमोचन करते हुए अतिथियों ने व्यक्त किए।समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती छाया त्रिवेदी थी। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार इंजी.सुरेंद्र सिंह पवार ने की।सारस्वत अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार आचार्य भगवत दुबे एवं

डॉ. सुमित्र थे। विशिष्ट अतिथि सुभाष शलभ, राजेंद्र मिश्रा,कौशल्या गोंटिया,अंजूसिंह बघेल थीं। वक्ताओं ने कहा कि उमा जी की लघु कथाएं भावों का ऐसा इंद्रधनुष हैं जो जीवन में सकारात्मक भाव का सृजन करता है। इस अवसर पर प्रयोगधर्मी कलाकार प्रमोद कुशवाहा के साथ उमा मिश्रा प्रीति को सम्मानित किया।यह सम्मान विजय जायसवाल, प्रतुल श्रीवास्तव, आलोक पाठक,डॉ.सलप नाथ यादव, प्रभा विश्वकर्मा, विनीता पैगबार ,कविता राय,डॉ.छाया सिंह,दीप्ति त्रिवेदी,कामना कौस्तुभ,अर्चना मलैया,निर्मिला तिवारी,छाया सक्सेना,शोभा सिंह ने प्रदान किया।संचालन करते हुए प्रारंभ में राजेश पाठक प्रवीण ने लघुकथा की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। विजय नेमा अनुज ने वर्तिका एवं पाथेय की रचनात्मकता पर विचार व्यक्त किए।

श्री राम कॉलेज के 68 छात्रों को मिला 3 लाख का पैकेज

जबलपुरः श्री राम इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा हैक्सावेयर के क्लोज कैम्पस में श्री राम कॉलेज के 68 छात्रों का चयन किया गया, जिसमें 20 छात्र फाइनल इयर 2023 बैच का फाइनल प्लेसमेंट एवं 48 छात्र जो कि वर्तमान में थर्ड इयर 2024 बैच को इंटर्नशिप के लिये चयनित किया गया। श्री राम इंजीनियरिंग कॉलेज के ट्रेनिंग प्लेसमेंट अधिकारी ने बताया कि उक्त छात्रों को 3 लाख का सालाना पैकेज पर लिया गया है। साथ ही फुलर्टन इंडिया में 1 छात्र का चयन 5.78 लाख, नेरोलेक पेंटस में 1 छात्र का चयन 6 लाख, मेग्मा यूमा प्रा. लि. में 1 छात्र का चयन 5.7 लाख, इंफोसिस में 1 छात्र का चयन 6.25 लाख, गरूण एरोस्पेस में 3 छात्रों का चयन अच्छे नैकेकज पर किया गया साथ ही एमबीए के 118 छात्रों का चयन मोजोहंट इंर्टनशिप के लिये किया गया है। इसके साथ ही इस सप्ताह में निम्नलिखित अन्य मल्टी नेशनल कम्पनियों द्वारा भी कॉलेज के छात्रों की चयन प्रक्रिया जारी है जिसमें प्रिज्म जानसन, अपग्रेड, बजाज फाईनेंस, मैक्सव्यू, स्ट्रेंज ओरोरा ग्रासिस इंडस्ट्रीज, जायकस, जेन्सार, आईबीएम जैसी बड़ी कम्पनियों के लिये हायरिंग की जा रही है जैसी बड़े पैकेज की कम्पनियां शामिल हैं जो आने वाले सप्ताह में अपनी चयन प्रक्रिया पूर्ण कर चयनित छात्रों को उपरोक्त पैकेज के ऑफर लेटर प्रदान करेगी साथ ही इस वर्ष देश की बहुराष्ट्रीय कम्पनी एसएचएल द्वारा श्री राम कॉलेज को नेशनल एम्पलायविल्टि अवार्ड 2023 से सम्मनित किया गया है। वि.वि.

न्यायालय नायब तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर
रा.प्र.क्र.588/अ-6/2023-23

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति वलविन्दर कपूर पति एस.एस. कपूर 2 एस.एस. कपूर पति स्व. अमर सिंह कपूर निवासी 47 एम.जी आई.जी हाथीताल कॉलोनी के द्वारा माध्यम से मौजा हाथीताल प.ह.पं. 24/2 ख.नं. 131/7 यूनिट नं. 6 रकवा 1637.25 वर्गफुट विक्रेता श्री अनिल आहूजा पिता सोहन लाल आहूजा सी- रतन नगर कॉलोनी मदन महल वार्ड से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र फौती एवं नक्शा बटांकन की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को काई आपत्ति हो तो वह अपना लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 02/08/23 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। समयाविधि पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 18/7/23 को जारी ।

जारी दिनांक-18/7/23
पेशी दिनांक-02/8/23

न्यायालय नायब
तहसीलदार गोरखपुर

विशेष हेपेटाइटिस दिवस विशेष

वायरल हेपेटाइटिस: जागरुकता ही सबसे बड़ा बचाव

वायरल हेपेटाइटिस विभिन्न वायरस के कारण होने वाले लिवर संक्रमण का एक समूह है, जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता है, प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व हेपेटाइटिस दिवस, इस बीमारी के बारे में जागरुकता और समझ बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। विश्व हेपेटाइटिस दिवस 2023 की थीम, वीआर नौट वेटिंग वायरल हेपेटाइटिस के मामलों की पहचान करने और तत्काल इलाज कराने के महत्व पर जोर देती है।

वायरल हेपेटाइटिस, विशेष रूप से इसका बी और सी प्रकार एक महत्वपूर्ण वैश्विक स्वास्थ्य समस्या बन गया है. वायरल हेपेटाइटिस सालाना 13 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार है। लिवर कैंसर से संबंधित दो-तिहाई मौतों कारण हेपेटाइटिस बी और सी है । चौंकाने वाली बात यह है कि बी से पीड़ित 91प्रतिशत और हेपेटाइटिस सी से पीड़ित 80 प्रतिशत लोग अपने संक्रमण से अनजान है दुनिया भर 20 करोड़ लोग तो अपनी स्थिति के बारे में जानकारी के बिना वायरल हेपेटाइटिस के साथ जी रहे हैं। कई देशों में जन्म के समय दिए जाने वाले टीकों की कमी बीमारी के निरंतर प्रसार में योगदान करती है. वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस बी और सी को खत्म करने से लगभग 3.6 करोड़ संक्रमणों को रोका जा सकता है और 1 करोड़ लोगों की जान बचाई जा सकती है. भारत को हेपेटाइटिस से निपटने में एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, लिवर की बीमारी भारत में मृत्यु का दसवां प्रमुख कारण है भारत में लगभग हर पांच में से एक व्यक्ति किसी न किसी प्रकार की लिवर की बीमारी से पीड़ित है ।देश में वायरल हेपेटाइटिस के लगभग 5 करोड़ वाहक है । भारत में मानसून के दौरान विशेषकर हेपेटाइटिस ए और ई के मामलों में वृद्धि देखी जाती है, जबकि हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी दीर्घकालिक संक्रमण हैं. अपर्याप्त जागरुकता और सीमित स्क्रीनिंग सुविधाओं सहित विभिन्न कारकों के कारण भारत वायरल हेपेटाइटिस का एक बड़ा बोझ वहन करता है. हालांकि सरकार ने राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम जैसी पहल लागू की है, जो वायरल हेपेटाइटिस के लिए मुफ्त निदान और उपचार प्रदान करती है बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए जागरुकता बढ़ाना और निवारक उपाय महत्वपूर्ण है. इस विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर आइए हम वायरल हेपेटाइटिस की पकड़ से मुक्त दुनिया बनाने की अपनी प्रतिबद्धता में एकजुट हो साथ मिलकर हम हेपेटाइटिस को खत्म कर सकते हैं और सभी के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुरक्षित कर सकते है.।

डॉ. चेतन कलाल
प्रख्यात हेपाटोलॉजिस्ट
नानावटी मेक्स सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल मुंबई

पत्रकार नीरजा चौधरी की आगामी पुस्तक

'हाउ प्राइममिनिस्टर डिसाइड' में कई खुलासे

यशभारत। देश की जानी मानी पत्रकार नीरजा चौधरी द्वारा लिखी गई किताब हाउ प्राइममिनिस्ट डिसाइड के माध्यम से इंदिरा गांधी के समय हुई घटनाओं, संजय के निधन और राजीव के बोफोर्स मामले में फंसने से लेकर आरएसएस और राममंदिर विवाद पर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कई खुलासे किए है। जो जल्द ही आने वाली है।

आरएसएस नेताओं के साथ राजीव गांधी की गुप्त बैठकों से लेकर शाह बानो विधेयक पर सोनिया गांधी की आपत्तियों तक; विदेश मंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी का भारत द्वारा परमाणु परीक्षण करने का विरोध, पीवी नरसिम्हा राव की अयोध्या में मंदिर बनाने की इच्छा, जहां कभी बाबरी मस्जिद थी - ऐसे दुर्लभ और अनकहे विवरण आगामी पुस्तक हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड में सामने आए हैं। नीरजा चौधरी जो कि दा इंडियन एक्सप्रेस में एक कॉलमिस्ट और संपादक हैं। अगले सप्ताह अलेफ द्वारा प्रकाशित होने वाली यह पुस्तक दशकों की गहन रिपोर्टिंग और पूर्व प्रधानमंत्रियों के कुछ सबसे भरोसेमंद सहयोगियों द्वारा संदर्भ और परिप्रेक्ष्य के साथ प्रस्तुत की गई है। यह इस बात पर नई रोशनी डालता है कि कैसे 6 प्रधानमंत्रियों - इंदिरा, राजीव, वीपी सिंह, राव, वाजपेयी और मनमोहन सिंह - ने कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए, जिन्होंने समकालीन भारत को आकार दिया और कैसे उनका व्यक्तित्व राजनीति के साथ धुंधला हो गया।

- इंदिरा ने राजीव को आरएसएस तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया

हालाँकि आरएसएस ने इंदिरा से संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने आपातकाल के दौरान या उसके तत्काल बाद उसके नेताओं से मिलने से इनकार कर दिया। लेकिन किताब में कहा गया है कि 1982 में, अपने कार्यकाल के आधे समय में, उन्होंने राजीव को आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस के भाई भाऊराव देवरस से मिलने और उनके साथ बातचीत शुरू करने के लिए कहा था। ये मुलाकातें कपिल मोहन तय करते थे। भाऊराव तब आरएसएस की राजनीतिक शाखा की देखभाल कर रहे थे।

राजीव ने भाऊराव से 1982-84 के बीच तीन बार मुलाकात की, जब इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री थीं और एक बार 1991 की शुरुआत में, जब वह सत्ता से बाहर थी इस समय भी मुलाकात हुई। पहली बैठक सितंबर 1982 में कपिल मोहन के 46, पूसा रोडस्थित आवास पर हुई थी। भाऊराव से मोहन की दोस्ती कई साल पुरानी है। दूसरी बैठक भी पूसा रोड पर, तीसरी फ्रेंड्स कॉलोनी में अनिल बाली के आवास पर हुई थी। किताब के अनुसार चौथी बैठक 10 जनपथ पर हुई थी।

बाली के अनुसार, इन बैठकों को आयोजित करने वाले व्यक्ति इंदिरा के राजनीतिक सचिव एम एल फोद्दार थे। अगर 1985-87 के बीच (इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद और जब राजीव पीएम थे) राजीव गांधी पर हिंदूवादी प्रभाव डालने वाला कोई एक व्यक्ति था, जो फ ोद्दार जी थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद राजीव भाऊराव से नहीं मिले। लेकिन वे संपर्क में रहते थे। उनके कार्यकाल के आधे समय में, आरएसएस ने राजीव से दूरदर्शन पर रामानंद सागर द्वारा निर्मित रामायण धारावाहिक के प्रसारण की सुविधा के लिए अनुरोध किया था - इसमें बाधाएँ आई। कांग्रेस नेता एच के एल भगत, जो बाद में सूचना और प्रसारण मंत्री बने, उस समय चिंतित हो गए थे। जब राजीव ने आरएसएस के अनुरोध का उल्लेख किया; उन्होंने राजीव को चेतावनी दी कि इससे भानुमती का पिटारा खुल जाएगा और भाजपा-विहिप-आरएसएस के नेतृत्व वाले राम जन्मभूमि आंदोलन के पक्ष में माहौल तैयार हो जाएगा । राजीव ने भगत की आशंकाओं पर ध्यान नहीं दिया।

- यह बोफोर्स घोटाला ही था जिसके कारण अंततः राजीव को बर्बादी का सामना करना पड़ा। उनके चचेरे भाई अरुण नेहरू का उन पर जो प्रभाव था, वह सर्वविदित है। एक समय के बाद दोनों अलग हो गए। अरुण ने ब्रेकअप के लिए सोनिया को जिम्मेदार ठहराया। अक्टूबर 1986 में राजीव ने कैबिनेट फेरबदल में अरुण को मंत्री पद से हटा दिया।

शपथ ग्रहण के बाद, बेचैन राजीव ने फोद्दार को फिर से रेस कोर्स रोड पर अपने साथ चलने के लिए कहा। फोद्दार ने बाद में कहा, राजीव जी तनाव में थे। जैसे ही कार रेसकोर्स रोड पर पहुंची, उन्होंने पोर्च में सोनिया गांधी और गांधी परिवार के वफादार कैप्टन सतीश शर्मा को इंतजार करते देखा। सोनिया के चेहरे पर एक विस्तृत मुस्कान थी। फोद्दार ने बाद में कहा, मुझे तब समझ आया कि अरुण नेहरू को क्यों हटाया गया था।

- बाबरी विध्वंस के बाद राव की अयोध्या मंदिर की इच्छा!

यह पुस्तक उन घटनाओं के सिलसिले को विस्तार से बताती है जिनके कारण 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी मस्जिद का विध्वंस हुआ। किताब में विध्वंस के कुछ दिनों बाद पत्रकार निखिल चक्रवर्ती की राव से हुई मुलाकात का जिक्र है। दोनों दोस्त थे। चक्रवर्ती ने राव को चिढ़ाते हुए कहा, मैंने सुना है कि आप 6 दिसंबर को बारह बजे के बाद पूजा कर रहे थे। क्रोधित राव ने चक्रवर्ती पर पलटवार किया, दादा, आप सोचते हैं कि मैं राजनीति नहीं जानता। मेरा जन्म राजनीति में हुआ है और मैं आज तक केवल राजनीति ही कर रहा हूं। जो हुआ वो ठीक हुआ... (जो हुआ, अच्छे के लिए हुआ।) मैंने इस लिए होने दिया...कि भारतीय जनता पार्टी की मंदिर की राजनीति हमेशा के लिए ख़त्म हो जाए। किताब में अयोध्या सेल के प्रमुख रहे नरेश चंद्र के साथ काम कर चुके सीआईएसएफ के पूर्व डीआइजी और आइपीएस अधिकारी किशोर कुणाल के हवाले से कहा गया है कि राव एक मंदिर बनाना चाहते थे जहां राम लला की मूर्तियां रखी जाएं। पुलिस अधिकारी किशोर कुणाल ने मुझसे कहा, नरसिम्हा रावजी जहां राम ललाजी विराजमान हैं, वहीं मंदिर बनाना चाहते थे (सच्चाई यह है कि नरसिम्हा राव खुद उस मंदिर का निर्माण करना चाहते थे जहां मूर्तियां रखी गई थीं)। अपने मीडिया सलाहकार, पी. वी. आर. के. प्रसाद को एक ट्रस्ट बनाने का निर्देश दिया जो एक मंदिर का निर्माण कर सके जहां कभी मस्जिद थी। 13 दिसंबर 1992 के बाद रविवार को, प्रसाद राव से मिलने गए थे। उन्होंने पीएम को अकेले और चिंतनशील मूड में पाया था। उन्होंने प्रसाद से चिंतित होकर पूछा, हम बीजेपी से लड़ सकते हैं, लेकिन भगवान राम से कैसे लड़ सकते हैं?जब हम कहते हैं कि कांग्रेस एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि हम नास्तिक हैं, उन्होंने आगे कहा। 'अयोध्या में मंदिर निर्माण के बहाने भगवान राम पर एकाधिकार जमाकर लोगों की आंखों में धूल झोंकना कहां तक उचित है?

- 1979 में, वाजपेयी ने परमाणु परीक्षण का विरोध किया

मई 1998 में, भारत ने पोखरण में सफ लतापूर्वक परमाणु परीक्षण किया, जो अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल का एक गौरव था। लेकिन 1979 में, जब वे मोरारजी देसाई कैबिनेट में विदेश मंत्री थे, तब वाजपेयी ने परीक्षण का विरोध किया था। अप्रैल 1979 में, देसाई ने अपने शीर्ष चार मंत्रियों रक्षा मंत्री जगजीवन राम, वित्त मंत्री चरण सिंह, गृह मंत्री एच एम पटेल और वाजपेयी के साथ बैठक की। देसाई ने उन्हें बताया कि पाकिस्तान परमाणु हथियार हासिल करने की कगार पर है और वह उनसे चर्चा करना चाहते हैं कि सरकार को उसके परमाणु कार्यक्रम के बारे में क्या करना चाहिए।

संयुक्त खुफिया समिति के अध्यक्ष के. सुब्रमण्यम द्वारा देसाई को सौंपी गई एक गुप्त रिपोर्ट ने देसाई को चिंतित कर दिया था। सुब्रमण्यम ने कहा था कि पाकिस्तान बम से महज एक कदम दूर है। सीसीपीए की बैठक में मंत्रियों के अलावा केवल दो अधिकारी, परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और कैबिनेट सचिव निर्मल मुखर्जी मौजूद थे। जबकि शीर्ष मंत्रियों ने संकल्प लिया कि भारत को अपने परमाणु प्रयासों को आगे बढ़ाना चाहिए, यह निर्णय सर्वसम्मत नहीं था। सुब्रमण्यम ने बाद में मुझसे पुष्टि की कि मोरारजी और वाजपेयी आगे बढ़ने के विरोध में थे। किताब के अनुसार एच. एम. पटेल, जगजीवन राम और चरण सिंह इसके पक्ष में थे। सीसीपीए की बैठक के एक दिन बाद, सुब्रमण्यम ने वाजपेयी का सामना किया। उन्होंने वाजपेयी से पूछा आप इसका विरोध कैसे कर सकते हैं? आप हमेशा से इसके पक्ष में रहे हैं। नहीं, नहीं, अब सबसे महत्वपूर्ण बात पाकिस्तान को बम बनाने से रोकना है, वाजपेयी ने रक्षात्मक रूप से उत्तर दिया। और हमें उन्हें उकसाना नहीं चाहिए।

- राहुल ने सोनिया गांधी के लिए खींची लाइन

किताब में 17 मई, 2004 को दोपहर में 10 जनपथ पर हुई एक बैठक के बारे में विवरण दिया गया है। नटवर सिंह के अनुसार, जब वह पहुंचे तो कमरे में सोनिया, प्रियंका गांधी और मनमोहन सिंह मौजूद थे। सोनिया वहां सोफे पर बैठी थी। मनमोहन सिंह और प्रियंका भी वहीं थे...सोनिया गांधी परेशान दिख रही थीं...तभी राहुल अंदर आए और हम सबके सामने कहा मैं आपको प्रधानमंत्री नहीं बनने दूंगा। मेरे पिता की हत्या कर दी गई, मेरी दादी की हत्या कर दी गई। छह माह में तुम्हें मार दिया जायेगा । राहुल ने धमकी दी कि अगर सोनिया ने उनकी बात नहीं मानी तो वह अतिवादी कदम उठाएंगे। नटवर सिंह ने याद करते हुए कहा यह कोई सामान्य धमकी नहीं थी, राहुल एक मजबूत इरादों वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने सोनिया को निर्णय लेने के लिए 24 घंटे का समय दिया । जब राहुल ने कहा कि वह अपनी मां को प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार हैं, तो सोनिया की आंखों में आंसू आ गए। इस तरह के कई आख्यान इस किताब में मौजूद है जो दशकों तक पर्दे के पीछे छुपे रहे।

संजय की दुर्घटना, इंदिरा की देवी से मुलाकात

22 जून 1980 को इंदिरा को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में चामुंडा देवी मंदिर जाना था, लेकिन आखिरी समय में उनका कार्यक्रम रद्द हो गया। मोहन मीकिन समूह के कपिल मोहन के भतीजे और इंदिरा के भरोसेमंद अनौपचारिक सहयोगियों में से एक थे अनिल बाली के द्वारा व्यवस्था की गई थी, जिनकी उन तक सीधी पहुंच थी।

मुख्यमंत्री राम लाल सहित हिमाचल प्रदेश की पूरी सरकार डेरा डाले हुए थी। जब पुजारी ने सुना कि वह नहीं आ रहीं हैं, तो उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। 'आप इंदिरा गांधी से कहिए, यह चामुंडा है। यदि कोई साधारण प्राणी नहीं आ सकेगा तो माँ क्षमा कर देगी। लेकिन यदि शासक अपमान करेगा तो देवी माफ नहीं करेंगी। किताब के अनुसार देवी की अवमानना नहीं कर सकते । अगले दिन, संजय गांधी की एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। बाली दिल्ली पहुंचे और जब वह रात 2.30 बजे इंदिरा के आवास पर पहुंचे, तो वह संजय के शव के पास बैठी थीं। किताब में कहा गया है, कि उन्होंने बाली से पूछा 'क्या इसका मेरे चामुंडा न जाने से कोई लेना-देना है?'' ।

उसी साल 13 दिसंबर को इंदिरा चामुंडा देवी मंदिर गईं। जैसे ही उन्होंने पूजा की, पंडित के हाथ कांपने लगे। मैं एक कट्टर हिंदू हं और जिस तरह से उन्होंने पूणार्हूति के लिए मंत्र पढ़े, और जब वह गर्भगृह में माथा टेका और वह रो पड़ी. वह बस रोती रही और रोती रही। इंदिरा ने यह सुनिश्चित किया कि चामुंडा में संजय के नाम पर एक घाट बनाया जाए। बाली ने कहा, इसकी लागत (80 लाख रुपये) थी जिसे कांग्रेस नेता सुखराम ने वहन किया, जो बाद में केंद्रीय मंत्री बने।

आपका राशिफल 30 जुलाई

शुभांक - 9,1,2

पं.लोकेश व्यास

- **मेष** सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे उधार पैसा वापस मिलेगा मंगल ग्रह से संबंधित चीजों का दान करें
- **वृषभ** अपच और पेट में खराबी रहेगी अधिक से अधिक तरल पदार्थों का सेवन करें शुक्र ग्रह का पूजन करें
- **मिथुन** मिथुन नई उपलब्धि मिलेगी लक्ष्य समय पर पूरे होंगे मानसिक शांति के लिए प्राणायाम करें
- **कर्क** साहस पराक्रम बढ़ेगा कामकाज पर फोकस रहेगा सफेद वस्तुओं का दान करें
- **सिंह** मित्रों का साथ मिलेगा सेहत का ध्यान रखें तांबे के पात्र में जल पिए
- **कन्या** जिम्मेदारियां पूरी करें अन्यथा विवाद की संभावना पूजा पाठ में मन लगेगा
- **तुला** स्थाई भावना को बल मिलेगा कर्ज चुक सकता है भैरव पूजन करें
- **वृश्चिक** वृश्चिक खुशनुमा माहौल मिलेगा आकर्षण बढ़ेगा गुड खाकर नए काम की शुरुआत करें
- **धनु** धनु गुप्त शत्रु बनेंगे काम में रोड़ा अटका या जाएगा सुंदरकांड का पाठ करें
- **मकर** कोशिश कामयाब होगी जिस दिशा में काम कर रहे हैं उसमें काम जारी रखें पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं
- **कुंभ** कला कौशल में सुधार होगा पुरानी आदत से परेशानी रह सकती है
- **मीन** अनुकूलता रहेगी बुद्धिमत्ता से आगे बढ़े ओवरकॉन्फिडेंस में ना रहे भगवान शिव का पूजन करे

राशिफल चंद्रमा और नक्षत्रीय गणना अनुसार लिया गया है अपने भविष्य की जानकारी के लिए संपर्क करें
ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास
संपर्क - 9009074786

जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के पूर्व छात्र, पद्म भूषण डॉ अजय चौधरी ने अपने कॉलेज के इंजीनियरिंग विद्यार्थियों

चौधरी के पारिवारिक न्यास 'स्वयम चैरिटेबल ट्रस्ट' ने लांच की ऐस्पायर स्कॉलरशिप

जबलपुर,यश भारत। एचसीएल के संस्थापक और हाल ही में प्रकाशित आत्मकथा जस्ट ऐस्पायर के लेखक पद्म भूषण डॉ अजय चौधरी ने भारत की भावी प्रतिभाओं के निर्माण में योगदान की घोषणा की है। चौधरी के पारिवारिक न्यास 'स्वयम चैरिटेबल ट्रस्ट' ने 'ऐस्पायर स्कॉलरशिप' स्थापित की है। इस पहल का लक्ष्य उन आकांक्षी इंजीनियरों को जरूरी सहयोग प्रदान करना है जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने में वित्तीय अड़चन का सामना कर रहे हैं। इस स्कॉलरशिप के माध्यम से उनको अपनी ध्येय प्राप्ति में मदद मिलेगी और एक उज्जवल भविष्य की राह पर आगे बढ़ सकेंगे। पहले तीन सालों में 10 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ यह न्यास 84 (की संख्या तक) विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है; उनकी इंजीनियरिंग की पूरी पढ़ाई के दौरान उन्हें संपूर्ण वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस पहल का लक्ष्य उन विद्यार्थियों तक मदद का हाथ पहुंचाना है जो अपने सपनों को हकीकत में बदलने की कोशिशों में लगे हैं। यह स्कॉलरशिप महज ट्यूशन फीस के दायरे तक सीमित नहीं होगी बल्कि इसमें उनके हॉस्टल व मैस का व्यय भी शामिल रहेगा, और उनके पूरे प्रोग्राम के दौरान यह सारा खर्च दिया जाता रहेगा। ऐपिक फाउंडेशन के संस्थापक, एचसीएल के सह-संस्थापक और स्वयम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक न्यासी डॉ अजय चौधरी ने कहा, ''ऐस्पायर केवल एक स्कॉलरशिप मात्र नहीं है बल्कि यह आशा की किरण है जो इन आकांक्षी इंजीनियरों के भीतर महानता की चिंगारी को प्रेरित करेगी, उन्हें सक्षम बनाएगी कि वे अपनी प्रतिभा व निपुणता से इस दुनिया में परिवर्तन ला सकें। इस स्कॉलरशिप का लक्ष्य है आकांक्षी इंजीनियरों की मदद करना, जो भारत की भावी वृद्धि के लिए आवश्यक हैं और उन्हें भारत की प्रगति कथा में हिस्सा लेने व योगदान करने हेतु सहयोग मुहैया कराना। दुनिया की सबसे युवा आबादी आज हमारे देश में है। आज हमारे पास जो प्रतिभा है यदि हम उसका सदुपयोग नहीं करेंगे, यदि हम प्रतिभावानों की मदद नहीं करेंगे और उन्हें वर्तमान अवरोधों से उबरने में सहायता नहीं देंगे तो हम तकनीकी रूप से अग्रणी देश बनने की दौड़ में बहुत पीछे रह जाएंगे। ऐस्पायर स्कॉलरशिप एक कोशिश अपने हिस्से का योगदान देने की और जिस समाज ने मुझ जैसे व्यक्तियों की मदद की उस समाज को वापस लौटाने का यह एक प्रयास है ताकि ये नौजवान भी बड़ा सोचें और अपने सपनों को हासिल करें।''यह स्कॉलरशिप भारत के दस इंजीनियरिंग संस्थानों के विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी जिनमें शामिल होंगे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (खड़गपुर, हैदराबाद, पटना, दिल्ली, बॉम्बे, गोवा), इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी दिल्लीमैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी रांची।

ऋषभ पुत्र भरत जिसके नाम से इस देश का नाम भारत पड़ा। चक्रवर्ती भरत को एक साथ तीन शुभ समाचार मिले। एक, पुत्र रत्न भी प्राप्ति जो कि काम पुरूषार्थ का फल था। दो, चक्र रत्न की प्राप्ति, जो कि अर्थ पुरूषार्थ का फल था। तीन, तीर्थंकर ऋषभदेव को कैवल्य की प्राप्ति जो धर्म पुरूषार्थ का फल था। कहानी कहती है कि भरत सबसे पहले केवली की पूजा करने गया। धर्म को सबसे पहले रखिए।

- मुनिश्री तरुण सागर

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त
यश भारत नये जमाने के साथ..
क्लासीफाइड (वर्गीकृत विज्ञापन)
• आवश्यकता • प्रापर्टी • लोन • मकान •
• दुकान/आफिस खरीदना बेचना •
• ज्योतिष • शिक्षण • ट्रेवल्स व अन्य •
1 माह Rs.1800/- | 15 दिन Rs.1200/- | 7 दिन Rs.500/- | 3 दिन Rs.250/- | 1 दिन Rs.150/-
व्यवसाय बढ़ायें-समाधान पायें यशभारत के साथ
भवन नामांतरण | आम सूचना | इश्तहार | गुमशुदा | नाम सुधार | जन्मदिन
बुकिंग हेतु संपर्क करें मो. : 9407348995 , 9425160507
e-mail : jabalpur@yasshbharat.com

श्री राम प्रोटीन्स लिमिटेड को कपास निर्यात करने का ऑर्डर मिला

कंपनी को इस ऑर्डर से 50 से 60 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है कंपनी का राइट्स इश्यू 10 अगस्त 2023 को बंद हो जाएगा कपास के बीज प्रोसेसिंग उद्योग में एक अग्रणी खिलाड़ी, श्री राम प्रोटीन्स लिमिटेड (एनएसई-एसआरपीएल), जिसने यह घोषणा की है कि उसे शंघाई, चीन को 63277.20 मीट्रिक टन 100त्न सूती धागा एनई 32 सीसीएच के एक्सपोर्ट का ऑर्डर मिला है। कंपनी को इस ऑर्डर से प्रति वर्ष लगभग 50 से 60 करोड़ रुपये का रेवेन्यु प्राप्त होने की उम्मीद है, जिसके परिणामस्वरूप सालाना 6त्न प्रॉफिट हो सकता है। कंपनी का राइट्स इश्यू फिलहाल खुला है, जहां कंपनी ने अपने शेयरहोल्डर्स को रिकॉर्ड डेट के अनुसार प्रत्येक मौजूदा इक्विटी शेयर के लिए 1 राइट्स एंटाइटेलमेंट दिया है। राइट्स इक्विटी शेयर 2.30 रुपये प्रति शेयर की दर से पेश किए जा रहे हैं। यह इश्यू 10 अगस्त 2023 को बंद हो जाएगा। श्री राम प्रोटीन्स लिमिटेड की स्थापना 2005 में कपास बीज प्रोसेसिंग उद्योग में खुद को एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ की गई थी। कंपनी कपास के बीजों के सॉल्वेंट एक्सट्रैक्शन के साथ-साथ कपास के बीज, कपास के बीज के तेल केक, कपास प्रसंस्करण, लिंटर, डी-लिंटर और कपास प्रसंस्करण के इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट के व्यवसाय में भी है। कंपनी के प्रमोटर्स ने कपास के बीज के व्यवसाय की गहरी समझ के साथ एक प्रभावशाली 400 मीट्रिक टन प्रतिदिन (एमटीपीडी) सॉल्वेंट एक्सट्रैक्शन प्लांट स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी दूरदर्शिता और विशेषज्ञता कंपनी के विकास और एक मार्केट लीडर के रूप में उभरने में महत्वपूर्ण रही है। श्री राम प्रोटीन्स लिमिटेड का प्राथमिक उद्देश्य दुनिया भर में ग्राहकों की मांगों को पूरा करना और उससे आगे बढ़ना है। यह सुनिश्चित करते हुए कि इसकी पेशकशें दुनिया भर में ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, कंपनी विविध उत्पाद श्रृंखला पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री राम प्रोटीन्स लिमिटेड कपास के बीज से संबंधित उत्पादों में उद्योग के अग्रणी के रूप में पहचाने जाने की इच्छा रखता है, जिसमें कपास का तेल, कपास का तेल केक, कपास डी ऑयल केक और कपास लिंटर (जिसे शॉफ्ट फाइबर भी कहा जाता है) शामिल हैं। गुणवत्ता, स्थिरता और ग्राहक की संतुष्टि के प्रति कंपनी का अटूट समर्पण बेहद प्रतिस्पर्धी बाजार (कॉम्पिटीटिव मार्केट) में इसकी सफलता की आधारशिला रही है। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित, श्री राम प्रोटीन्स लिमिटेड को इस क्षेत्र की लीडिंग कॉटन सीड प्रोसेसिंग कंपनियों में से एक होने का गौरव मिला है। तेल और पशुचारे में कंपनी की विशेषज्ञता ने न केवल ग्राहकों का विश्वास और वफादारी जीती है, बल्कि यहां के कृषि सेक्टर के ग्रोथ और डेवलपमेंट में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शब्द पहेली - 7751

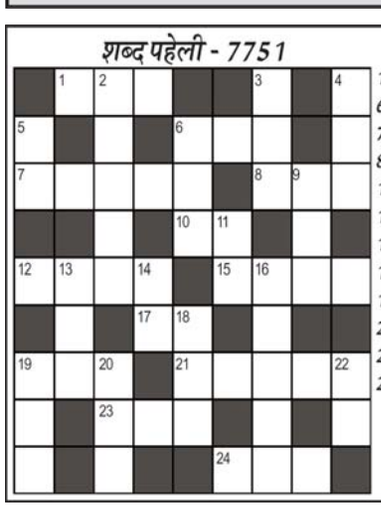

बाएँ से दाएँ
1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-5
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे
2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली - 7750 का हल

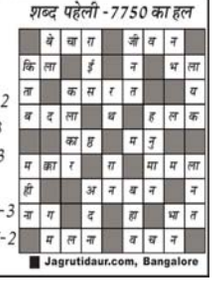

Jagrutidaur.com, Bangalore

» न्यूज गैलरी

कांग्रेस सरकार बनने पर ट्रांसपोर्टस की समस्याओं का निराकरण होगा

भोपाल,यशभारत। कांग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नरिंदर पांधे के नेतृत्व में ट्रांसपोर्टर्स ने की कमलनाथ से मुलाकात भोपाल मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मप्र कांग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नरिंदर सिंह पांधे के नेतृत्व में प्रदेश के 40 जिलों से आए ट्रांसपोर्टर्स ने उनके निवास श्यामला हिल्स पर मुलाकात कर अपने व्यवसाय में आ रही समस्याओं को उनके सामने रखा। कमलनाथ ने ट्रांसपोर्टर्स को आश्वस्त करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर समस्याओं का निराकरण किया जायेगा, ट्रांसपोर्ट क्षेत्र में भारी पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त करने की पहल होगी। पांधे ने कमलनाथ का ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि वर्तमान में मप्र में परिवहन चौकियों और फ्लाइंग दस्ते व नैशनल हाईवे पर स्थित थानों के माध्यम से सरेआम अवैध वसूली ट्रक मालिकों से की जा रही, जिसकी हर स्तर पर शिकायत के बाद भी वर्तमान बीजेपी सरकार द्वारा रोकथाम के कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये है, बल्कि उन्हें और प्रताड़ित किया जा रहा है, जिसके कारण ट्रांसपोर्ट व्यवसाय में भारी परेशानी और व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। श्री पांधे ने बताया कि कमलनाथ से मुलाकात हेतु जबलपुर, नरिंदर सिंह पांधे, देवी सिंह पटेल, रवि कोस्टा, बलराज सिंह इंदौर से सुशील शालूके, भोपाल से संतोष संताली ग्वालियर से राजीव मोदी उज्जैन अश्विन, देवास राजेन्द्र बेदी, सागर अमित यादव, रीवा से रजनीश पांडे, सतना मनमोहन कुशवाहा, सीधी से प्रदीप परिहार, सिंगरोली से राजेश सिंह, विदिशा से मनोज यादव, आगर से अफरोज खान, कटनी विनय पांडे, इटारसी से सुरेंद्र भाटिया, बुरहानपुर शफीक खान, शाजापुर, खरगोन से महेश सोडानी, बालाघाट से पुरन सिंह भाटिया, सिवनी एजाज अहमद, छिंदवाड़ा मनीष, नरसिंहपुर मनवीर सिंह, रतलाम कमलेश मोदी, टीकमगढ से रज्जाक खान, छत्तरपुर से रईस खान, मुरैना प्रमोद शर्मा, होशंगाबाद, रायसेन राजेंद्र सिंह, सिहोर जसवीर सिंह, बेतुल सैयद अली, धार,नीमच, आदि जिलों से ट्रांसपोर्टर्स भोपाल पहुँचे।

महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिलाने के लिए उन्हें सुरक्षित वातावरण देना जरूरी -मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल, यशभारत। मुख्यमंत्री शवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आधी आबादी के साथ न्याय के बिना न देश आगे बढ़ सकता है न समाज। बहन बेटियों की झिझक टूटे, उनका आत्मविश्वास और सम्मान बड़े इसी उद्देश्य से पुलिस बल में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ लाड़ली लक्ष्मी, कन्या विवाह जैसी योजनाएं और कार्यक्रम आरंभ किए गए। जब तक हम बहन-बेटी को समाज में बराबरी पर लाकर नहीं खड़ा कर देते, तब तक हम चैन की सांस नहीं लेंगे। इसमें महिला सुरक्षा सबसे अहम है।

अपराधियों में भय पैदा करने महिला हेल्प डेस्क को वाहन उपलब्ध कराकर गतिशील बनाने और महिलाओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करने के लिए आरंभ किया गया ÷अभिमन्यु अभियान÷, महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रदेश के थानों में काम कर रही उर्जा महिला हेल्प डेस्क की महिला पुलिस कर्मियों को दोपहिया वाहन प्रदान करने के लिए मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 250 महिला पुलिस कर्मियों की स्कूटर रैली को फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों के प्रति पुरुषों को जागरूक करने तथा महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के उद्देश्य से संचालित अभिमन्यु अभियान की पुस्तिका ÷अभिमन्यु÷ का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बहन-बेटियों का आत्मविश्वास और सम्मान बढ़ेगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बेटा-बेटी में भेद और घरेलू हिंसा की विकृत सोच को बदलने की जरूरत है। पुलिस में 30त्न महिलाओं की भर्ती से पीड़ित महिलाओं को थानों में अपनी व्यथा बयान करने और उस पर कार्रवाई कराने में मदद मिली है। महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम करूर नहीं हैं, किंतु प्राय- यह देखा गया है कि बुरी प्रवृत्ति के लोग कड़ी कार्यवाही के बिना मानते नहीं है, अपराधियों में भय पैदा करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महिला पुलिस कर्मियों का आव्हान किया कि वे आंतरिक देवत्व को जागृत कर दुर्जनों पर कार्यवाही करें और बहन बेटियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में सहयोगी बने। इससे बहन-बेटियों का आत्मविश्वास और सम्मान बढ़ेगा और पुलिसकर्मियों की यश और कीर्ति का विस्तार होगा।

महिला सुरक्षा के लिए संचालित अभियानों को निरंतर चलाना जरूरी-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऑपरेशन मुस्कान जैसे महिला सुरक्षा के लिए संचालित किए जाने वाले अभियानों को निरंतर चलाने की आवश्यकता है। अभिमन्यु अभियान महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने और बच्चों व युवाओं में संस्कार विकसित करने में सहायक होगा।

संकल्प को धरातल पर उतारना कहलाता है सिद्धि - गृह मंत्री डॉ. मिश्रा- गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि संकल्प को धरातल पर उतारना सिद्धि कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महिलाओं के सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया है उसे लगातार वे धरातल पर उतारते जा रहे हैं। जब वे मुख्यमंत्री नहीं थे तब से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये कार्य कर रहे हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना से लेकर लाड़ली बहना तक महिलाओं के आत्मबल को बढ़ाने के लिये जो कार्यक्रम किये जा सकते हैं, वे सभी उन्होंने किये है। प्रदेश में महिलाओं को नौकरियों में आरक्षण के साथ पंचायती राज संस्थाओं में सहभागिता भी सुनिश्चित की है। बेटियों के मान सम्मान के साथ प्रदेश के वातावरण को उनके लिये सुरक्षित बनाने के सभी प्रयास किये जा रहे हैं। जब बेटियों के हाथ में डंडा होता है, तो बाकी मौजूद बेटियाँ स्वयं को सुरक्षित समझती हैं, उनका आत्मबल भी बढ़ता है। महिला पुलिस की उपस्थिति में शक्ति मिलती है। मध्यप्रदेश में ही महिला अपराधों को नियंत्रित करने के लिये दुष्कर्मियों को फाँसी की सजा का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में ÷ऊर्जा महिला हैल्प डेस्क÷ की बेटियों को प्रदाय की गई स्कूटियाँ निश्चित ही महिला अपराध रोकथाम में सहायक होंगी।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पुलिस बैंड पर बज रही ÷मध्यप्रदेश पुलिस हैं हम÷, ÷यह भारत देश है मेरा÷ और ÷सारे जहां से अच्छा हिंदुस्ता हमारा÷ गानों की धुन पर 250 दोपहिया वाहनों की रैली को फ्लैग ऑफ किया। कार्यक्रम के आरंभ में पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना ने निर्भया फंड के माध्यम से महिला थानों में स्थापित हेल्प डेस्क की गतिविधियों की जानकारी दी।

रेल्वे विभाग ने कैलारस में शुरू की अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

कैलारस , यशभारत। रेल्वे विभाग द्वारा कैलारस में ब्रॉडगेज रेल्वे लाईन श्रीकृष्ण भोजनालय से लेकर हॉस्पिटल की ओर तक जे सी बी से अस्थाई अतिक्रमण को हटाया उल्लेखनीय हे कि रेलवे विभाग द्वारा पूर्व में दो बार स्थाई अतिक्रमण कारियो को नोटिस दिए जा चुके हे आज भी अस्थाई अतिक्रमण को हटाया हे और चिन्हित जग पर स्थाई

अतिक्रमण करने बालो को शीघ हटाने की हिदायत दी साथ ही कहा कि अतिक्रमण नहीं हटाया तो फिर प्रशासनिक स्तर पर हटाया जाएगाइस अवसर पर एस के शक्य एस एस सी डिफ्टी चीफ एन सी रेलवे देवेंद्र महाजन ,शैलेन्द्र सिंह ठाकुर नायब तहसीलदार शिवम उपाध्याय पटवारी बी के त्यागी आर पी एफ एस आई रवि शंकर शर्मा आर अ,0ई कैलारस प्रताप सिंह लोधी एस आई थाना कैलारस राम नरेश सिंह भदौरिया आर पी एफ पिंकी यादव आर पी एफ नीलम शर्मा आर पी एफ पंचम सिंह प्रधान आरक्षक विद्युत विभाग के सहायक प्रबंधक मेहरबान सिंह सूर्यवंशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे रेल्वे विभाग के डिप्टी चीफ एन सी रेल एस के शाक्य ने बताया कि हमारा काम प्रभावित हो रहा हे हम इन लोगो को पूर्व में कई नोटिस दे चुके हे आज वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू की हे जिसमे हमारे विभाग के साथ साथ राजस्व ,पुलिस, विद्युत विभाग के लोग शामिल हे आगे लोगो ने अपने अतिक्रमण नहीं हटाए तो प्रशासनिक स्तर पर हटाया जायेगे

ईडी ने हाउसिंग सोसायटी घोटाले में अटैच की करोड़ों की संपत्ति

भोपाल , यशभारत। इंदौर के जमीन घोटालों में शामिल अभियुक्तों की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करोडों की संपत्ति अटैच कर दी है। ईडी द्वारा अटैच की गई संपत्ति का खरीदी मूल्य 22 करोड़ रुपये हैं, जबकि मौजूदा बाजार मूल्य करीब 500 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट में अटैचमेंट की यह कार्रवाई की गई है। शुक्रवार 28 जुलाई को अटैचमेंट आदेश जारी कर दिया। मई में हुए छापों के बाद जांच आगे बढ़ाते हुए ताजा आदेश जारी किया गया है। मई में ईडी ने प्रतीक संघवी, सुरेंद्र संघवी और दीपक जैन उर्फ दीपक मद्दा के ठिकानों पर छापे मारे थे। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से शुक्रवार शाम अटैचमेंट की कार्रवाई को लेकर ट्वीट भी किया गया। ईडी की जांच के घेरे में आए अभियुक्तों से जुड़ी अहिल्या गृह निर्माण सोसायटी व अन्य संस्थाओं की जमीन घोटाला कर अवैध रूप से बेच कर कालाधन जुटाने को कार्रवाई का आधार बनाया गया है। ईडी ने अभी अटैच की गई जमीन की सूची सार्वजनिक नहीं की है। सूत्रों के अनुसार खजराना, बिचौली मर्दाना, मोरोद क्षेत्र की जमीनें अटैच की गई हैं। ये जमीनें संघवी की कंपनी समता डेवकान या दीपक जैन की मालिकी या उनकी फर्मों के नाम से पंजीकृत है। जिला पंजीयक से जानकारी जुटाकर जमीनों को चिन्हित किया गया। अटैचमेंट व जमीनों की जानकारी जिला पंजीयक और प्रशासन को दी गई है। इन जमीनों का विक्रय अब नहीं हो सकेगा ।प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट में अटैचमेंट की यह कार्रवाई की गई है।

हिंदी पुस्तकों का एमबीबीएस छात्रों में बेहतर रिस्पांस

अंग्रेजी माध्यम के छात्र दिखा रहे अब हिंदी पुस्तकों में रुचि

भोपाल, यशभारत। अंग्रेजी माध्यम के एमबीबीएस की पढाई कर रहे छात्र हिंदी की पुस्तकों में अब रुचि दिखाने लगे हैं। प्रथम वर्ष की हिंदी माध्यम की पुस्तकों का चिकित्सा विद्यार्थियों में अच्छा प्रतिसाद देखने को मिल रहा है। यह जानकारी एमबीबीएस द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की हिंदी पुस्तकों के लिप्यंतरण कार्य की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग को बताई। बता दें कि शुक्रवार को मंत्रालय में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए सभी 13 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के डीन एवं लिप्यंतरण कार्य करने वाले चिकित्सा शिक्षकों के साथ संवाद का आयोजन किया गया था। इस दौरान अधिकारियों ने बताया गया कि सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों में हिंदी पुस्तकों का वितरण किया जा चुका है। अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों का कहना है कि हिंदी में कठिन विषयों को समझने में आसानी हो रही है। इस पर मंत्री सारंग ने एक सप्ताह के भीतर फार्म जारी कर विद्यार्थियों से फीडबैक लेने के निर्देश दिए हैं। चिकित?सा शिक्षा मंत्री सारंग ने बताया कि एमबीबीएस द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की मेडिकल पुस्तकों के हिंदी लिप्यंतरण के लिए सितंबर माह तक की

टाइमलाइन तैयार की गई है। प्रत्येक 13 मेडिकल कालेजों में हिंदी चिकित्सा प्रकोष्ठ को साफ्टवेयर आधारित एआई के उपयोग के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी 12 विषयों के लिए चिह्नित टीम में ट्रांसलिट्रेशन के लिए चैप्टर आवंटित किए जाएंगे, जिसकी कार्य प्रगति को डैशबोर्ड पर दर्ज किया जाएगा। डीएमई हर तीन दिन में एवं सीएमई हर सात दिन में इसकी समीक्षा करेंगे।वहीं विद्यार्थियों की आवश्यकता को देखते हुए और किताबों की मांग भी भेज दी गई है। हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों के साथ ही अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों में भी पुस्तकों को लेकर रूचि बढ़ी है।

कैलाश विजयवर्गीय लगातार चौथी बार बीजेपी महासचिव

भोपाल (ईएमएस)। आज इन्दौर में केन्द्र गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में होने वाले बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन के ठीक पहले इन्दौर के वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश खेर को एक बार फिर भाजपा केन्द्रीय सगंठन में महासचिव मनोनीत किया गया है, कैलाश विजयवर्गीय लगातार चौथी बार बीजेपी महासचिव बनाए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा ने शनिवार को पार्टी के केन्द्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की। टीम नड्?डा में जगह बनाने वालों में मप्र से दूसरा नाम सौदान सिंह का है। उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम और वर्तमान विधायक रमन सिंह, सांसद सरोज पांडेय और लता उसेंडी, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधायक वसुंधरा राजे, झारखंड से रघुवर दास, मध्य प्रदेश से सौदान सिंह, उत्तर प्रदेश से सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी, सांसद रेखा वर्मा और विधान परिषद सदस्य तारिक मंसूर, ओडिशा से बैजयंत पांडा, तेलंगाना से डीके अरुणा, नगालैंड से एम चौबा एओ और केरल से अब्दुल्ला कुट्टी। महाराष्ट्र से विजया राहटकर, आंध्र प्रदेश से सत्या कुमार, दिल्ली से अरविंद मेनन, महाराष्ट्र से पंकजा मुंडे, पंजाब से नरेंद्र सिंह रैना, राजस्थान से डॉ. अल्का गुर्जर, पश्चिम बंगाल से अनुपम हाजरा, मध्य प्रदेश से ओमप्रकाश धुर्वे, बिहार से ऋतुराज सिन्हा, झारखंड से आशा लाकड़ा, असम से सांसद कामख्या प्रसाद तासा, केरल से अनिल एंटनी को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है।

भाजपा की 21 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति घोषित, अनुभवी और नाराज नेताओं को महत्व

19 सदस्यीय घोषणापत्र समिति और भाजपा के 57 संगठनात्मक जिलों के जिला संयोजक नियुक्त

भोपाल यशभारत। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने प्रदेश में 21 सदस्यों वाली चुनाव प्रबंधन समिति की घोषणा शनिवार रात कर दी है। इसमें केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को संयोजक बनाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें यह जिम्मेदारी इसी माह दी थी। समिति के गठन में उन नेताओं को महत्व दिया गया है, जो पार्टी में लंबे समय से कोई जिम्मेदारी नहीं मिलने या उपेक्षा के कारण नाराज चल रहे थे। अनुभवी नेताओं को भी इसमें शामिल किया गया है। साथ ही हर क्षेत्र और वर्ग के नेताओं को इसमें शामिल किया गया है। 26 जुलाई को भोपाल आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव संबंधी समितियों के जल्द गठन के लिए कहा था। 29 जुलाई को शाह फिर भोपाल आने वाले थे, इसलिए दो दिन में सूची को अंतिम रूप दिया गया। 19 सदस्यीय घोषणा पत्र समिति और भाजपा के 57 संगठनात्मक जिलों के जिला संयोजक भी नियुक्त कर दिए गए हैं।

समिति में इन्हें किया गया शामिल

चुनाव प्रबंधन समिति में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते व प्रहलाद पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, मप्र शासन के मंत्री नरोत्तम मिश्रा, भूपेंद्र सिंह, तुलसी सिलावट, गोविंद सिंह राजपूत, सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, सांसद गजेंद्र पटेल, सांसद गणेश सिंह, विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय विश्नोई, रामपाल सिंह, विधायक प्रदीप लारिया, पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, उमाशंकर गुप्ता और पूर्व विधायक हेमंत खंडेलवाल को शामिल किया गया है।

आमंत्रित सदस्यों में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश चुनाव प्रभारी व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, प्रदेश सह चुनाव प्रभारी अश्वनी वैष्णव, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव और प्रदेश संगठन महामंत्री के हितानंद भी शामिल हैं। चुनाव प्रबंधन समिति में शिवराज समर्थकों की संख्या ज्यादा है।

जयंत मलैया बनाए गए वचन पत्र समिति के प्रमुख

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने अध्यक्ष सहित 19 सदस्यों वाली वचन पत्र समिति की घोषणा की है। यह समिति पार्टी का घोषणा पत्र तैयार करने का काम करेगी। इसमें पूर्व मंत्री जयंत मलैया को प्रमुख बनाया गया है। प्रभात झा को सह प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है। राजेंद्र शुक्ला, अजय विश्नोई, ओम प्रकाश सकलेचा, लाल सिंह आर्य, लता वानखेड़े, ओम प्रकाश धुर्वे, सुमेर सिंह सोलंकी, डीडी उइके, राज्यवर्धन सिंह, अजय प्रताप सिंह, कवींद्र कियावत, दीपक विजयवर्गीय, एसएनएस चौहान, अतुल सेठ, मनोज पाल यादव, पुष्यमित्र भार्गव और डा. विनोद मिश्रा को सदस्य बनाया गया है।

विधायक रमेश ने पूर्व सीएम कमलनाथ से कहा ,काशी और मथुरा में अवैध अतिक्रमण हटवाने का समर्थन करें

भोपाल(ईएमएस) भाजपा विधायक रमेश मेंदोला ने तीस जुलाई को इन्दौर आ रहे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और कमलनाथ को चिट्ठी लिखकर कहा है कि जानकर मुझे प्रसन्नता हुई कि आप इंदौर में रुद्राभिषेक करने वाले है। अयोध्या में राम जी के मंदिर के निर्माण से देश का वातावरण ऐसा बदल गया है कि एफिडेविट देकर भगवान को काल्पनिक मानने वाले लोग अब अभिषेक करने लगे है। कमलनाथ जी मैं बहुत विनम्रतापूर्वक आपको बताना चाहता हूं कि भगवान शिव भोले मन के है वो छल कपट सहन नहीं करते इसीलिए उनका एक नाम भोलेनाथ है। महोदय इसलिए आपसे आग्रह है कि आप अभिषेक के पहले काशी में ज्ञानवापी परिसर और मथुरा में भगवान कृष्ण की जन्मभूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कर हिंदू समाज को सौंपने के सनातन संकल्प को समर्थन देने की घोषणा करे और इसके बाद ही अभिषेक करें। महोदय यदि आप खुले मन से भगवान की भक्ति करना चाहते है तो महाकाल और ओंकारेश्वर के बीच देवी अहिल्याबाई की पुण्यभूमि इंदौर से काशी और मथुरा में अतिक्रमण हटाकर हिंदू समाज को उसका के संकल्प को समर्थन देने में आपको कोई तकलीफ नहीं होगी और यदि आप राजनीतिक प्रपंच के चलते भक्ति का ढोंग कर रहे है तो महोदय भगवान शिव संहारकालमें भयंकर रूप धारण कर संहार करनेवाले उग्र भी है उनका क्रोध कांग्रेस के विसर्जन की गांधीजी की अंतिम इच्छा को पूर्ण कर देगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा विधायक रमेश मेंदोला के उक्त पत्र पर अभी तक किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई है।

कॉकरोच पाये जाने पर होशंगाबाद रोड़ स्थित बावर्ची रेस्टोरेंट की लाइसेंस निलंबित

भोपाल(ईएमएस)। मिलावट से मुक्ति अभियान के अन्तर्गत कलेक्टर भोपाल आशीष सिंह के निर्देशानुसार किये जा रहे निरीक्षण के दौरान होशंगाबाद रोड़, भोपाल स्थित खाद्य प्रतिष्ठान बावर्ची रेस्टोरेंट के किचिन में अस्वच्छता एवं अत्यधिक संख्या में कॉकरोच पाये जाने के कारण अभिहित अधिकारी देवेन्द्र कुमार वर्मा के द्वारा प्रतिष्ठान की खाद्य अनुज्ञप्ति निलंबित की गई है। निरीक्षण के दौरान कच्चे खाद्य पदार्थो के बीच कॉकरोच के समूह पाये गये जिससे पकाये जा रहे खाद्य पदार्थो के दूषित होने की आशंका को दृष्टिगत रखते हुये खाद्य अनुज्ञप्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित कर व्यवसाय को बंद करने हेतु आदेश पारित किया गया है।

खाद्य सुरक्षा के 15 प्रकरणों पर लगभग 14 लाख का जुर्माना लगाया गया

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा प्रस्तुत किये गये 15 प्रकरणों में आदेश पारित करते हुये न्यायइनिर्णायक अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी हरेन्द्र नारायन के द्वारा 13 लाख 80 हजार जुर्माना अधिरोपित किया गया है।पारित निर्णयों में बेस्ट प्राइज (वालमार्ट), होशंगाबाद रोड़ के विरूद्ध अमानक खाद्य पदार्थो के विक्रय के आरोप में लगाये गये दो प्रकरणों में ढाई लाख रूपये, अमानक पनीर विक्रय करने के आरोप में मुरैना निवासी विकास शर्मा के विरूद्ध दो लाख, मंगलवारा स्थित महेन्द्र मावा भण्डार के विक्रेता अनिरूद्ध राजपूत के विरूद्ध अमानक मावा, पनीर और मिल्क केक विक्रय करने के आरोप में 1लाख 50 हजार, मुरैना स्थित राठी ऑइल मिल के विरूद्ध अमानक खाद्य तेल के निर्माण एवं विक्रय के आरोप में एक लाख रूपये, हमीदिया रोड़ स्थित नर्मदा फ्रेश बिवरेजेस इंडिया एल.एल.पी. के विरूद्ध मिथ्याछाप पानी निर्माण एवं विक्रय के आरोप में एक लाख रूपये का जुर्माना शामिल है।

जुर्माना | **दस हजार के अर्थदंड से किया दंडित**

फर्जी अंकसूची से नौकरी करने वाले शिक्षक को 5 साल की सजा

भ्रोपाल (ईएमएस)। सिरौंज न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र मेश्राम सिरोंज जिला विदिशा द्वारा कक्षा दसवीं एवं 12वीं की राज्य ओपन की फर्जी मार्कशीट से अतिथि शिक्षक की नौकरी करने वाले ग्राम काजी खेड़ी के सरपंच पति इख्लास खान निवासी ग्राम काजी खेड़ी एवं धनराज धाकड़ निवासी ग्राम बरेंडा पांच 5 साल के सश्रम कारावास एवं ?10000, 10,000 के अर्थदंड से दंडित किया है

शासकीय अधिवक्ता मनीष वर्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार फरियादी राजकुमार शर्मा एडवोकेट ने पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज को दिनांक 21 जनवरी 2017 को एक शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि धनराज धाकड़ निवासी ग्राम बारेंडा एवं इख्लास खान कक्षा 10 एवं 12वीं की राज ओपन की फर्जी अंकसूची लगाकर अतिथि शिक्षक की नौकरी कर लाभ अर्जित कर रहे हैं थाना सिरोंज द्वारा अपराध क्रमांक 244 वर्ष 2017 धारा 420 467 468 471 आईपीसी के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया इस मामले में धनराज धाकड़ से माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल राज्य ओपन की कक्षा दसवीं एवं इख्लास खा से कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12 की अंकसूची पुलिस ने जप्त की थी धनराज धाकड़ एवं इख्लास खान द्वारा ग्राम काजी खेड़ी शासकीय प्राथमिक शाला में दिनांक 1 दिसंबर 2011 से 6 मार्च 2017 तक अतिथि शिक्षक की नौकरी कर लाभ अर्जित किया था सिरोंज पुलिस द्वारा इस फर्जीवाड़े के मामले में धनराज धाकड़ इख्लास खान तथा राकेश शर्मा को आरोपी बनाया गया था राकेश शर्मा के खिलाफ साक्ष ना होने की दशा में उसे बरी कर दिया गया । तथा इख्लास खान एवं धनराज धाकड़ दोनों आरोपीयों को दस दस हजार रुपए के अर्थदंड से एवं पांच पांच साल के सश्रम कारावास की सज़ा से दंडित किया है इख्लास खान ग्राम पंचायत कांजी खेड़ी के सरपंच के पति हैं धनराज एवं इकलस खान को सजा के बाद उप जेल लटेरी भेजा गया है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए महाविद्यालयों में कैंप का आयोजन

भोपाल, यशभारत। सागर के नरयावली विधानसभा क्षेत्र 40 के अंतर्गत समस्त महाविद्यालयों में विशेष कैंप का आयोजन लगातार किया जा रहा है एवं नए मतदाताओं की नाम जोड़े जा रहे हैं एवं अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सागर एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विजय डहेरिया ने विधानसभा क्षेत्र 40 नरयावली द्वारा सभी बीएलओ को एवं बीएलओ पर्यवेक्षक को निर्देशित किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएं।

सिगरेट पीने की शिकायत पर छात्र ने छात्र की चाकू मारकर की हत्या

भोपाल, यशभारत। कक्षा 11 वीं के एक छात्र ने अपनी सीनियर 12 वीं के छात्र की चाकू घोपकर हत्या इसलिए कर दी कि उसने उसके सिगरेट पीने की शिकायत अपने टीचर से कर दी थी। इंदौर पुलिस ने 17 वर्षीय आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है । मृतक का नाम समर्थ कुशवाह उम्र 18 वर्ष निवासी काशीपुरी है । घटना तुकोगंज थाना क्षेत्र के अन्तर्गत न्यू पलासिया स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल की है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि समर्थ ने आरोपित छात्र को सिगरेट पीते हुए देखा तो शिक्षक से शिकायत कर दी । इसके बाद आरोपित छात्र समर्थ से नाराज था शुक्रवार को उसने समर्थ को स्कूल के बाहर मिलने बुलाया । वहां स्कूल के दूसरे छात्र भी मौजूद थे ।

बातचीत के दौरान समर्थ और आरोपित के बीच विवाद होने लगा । आरोपित ने समर्थ से कहा कि तूने सिगरेट पीने की शिकायत सर से क्यों की और उसने समर्थ को चाकू घोप दिया । समर्थ को उपचार के लिए तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया , जहां उसे आइसीयू में भर्ती किया गया । रात में समर्थ की मौत हो गई । तुकोगंज थाना प्रभारी कमलेश शर्मा के अनुसार आरोपित शुक्रवार सुबह से समर्थ को मारने की फिराक में था । उसने अपने दोस्तों से इस संबंध में बात भी की थी समर्थ को भी दोस्तों के जरिए इस बात की भनक लग चुकी थी फिर भी ये हादसा हो गया।

» न्यूज गैलरी

टीआई के विदाई समारोह में भावुक हुए लोग, सबने कहा- अच्छा काम किया

पनागर, यश भारत। युवा सेवा संगठन के द्वारा शनिवार को खमरिया थाना प्रभारी निरूपा पाण्डे के स्थानांतरित होने के उपलक्ष में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी निरूपा पांडे के कार्यकाल की सराहना की। संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष सुमित यादव ने बताया की थाना प्रभारी के कार्यकाल में अपराधिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही की जिससे असामाजिक तत्वों में भय का वातावरण निर्मित रहा। जिससे अपराध क्षेत्र में न के बराबर रहे। उन्होंने ने बताया की वह आम लोगों से सरलता से मिलती थी व गरीबों की मदद करती रहती थी। उनके द्वारा कोरोना काल में भी लोगों की लगातार सहायता की गई। इस दौरान थाना प्रभारी ने कहा कि स्थानांतरण में जाना एक प्रशासनिक प्रक्रिया है मेरी वर्दी लोगों को न्याय दिलाने एवं अपराधियों को सजा दिलाने के लिए सदैव कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर बच्चा यादव, नितेश तिवारी, चंदन पटेल,संतोष कुशवाहा, मुकेश यादव, अनिल यादव, शुभम राय और संगठन सदस्यों की उपस्थिति रही।

आवंटन कम मिलने से अभी तक नहीं खुल पाई कूड़ारी उमरिया की राशन दुकान

बरेला, यश भारत। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहतशासकीय उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से प्रतिमाह. गरीबों को शासन की ओर से प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं -चावल निःशुल्क प्रदान किया जाता है वर्तमान मेजुलाई माह समाप्त होने की ओर अग्रसर है किंतु अभी तक कूड़ारी और उमरिया में गरीबों को गेहूं ,चावल,नमक का वितरण नहीं किया गया है. जिसके कारण ग्रामीणों में आक्रोश उत्पन्न हैसहकारी समिति पड़वार के अंतर्गत संचालित राशन दुकान कूड़ारी और उमरिया में जुलाई माह में निर्धारित कोटे से बहुत ही कम आवंटन मिला है ग्राम कूड़ारी में 350 पात्रता पर्चियां हैं. जिसके अनुसार 75 क्विंटल गेहूं चावल 350 किलो नमक और 85 किलो शक्कर. मिलना चाहिएकिंतु वर्तमान मेंजुलाई माह में 6 क्विंटल गेहूं चावल , 17 किलो शक्कर. और 233 किलोग्राम नमक आया है। इसी प्रकार ग्राम उमरिया में 320 पात्रता पर्ची हैं जिसके अनुसार 60 क्विंटल गेहूं चावल,320किलो नमक तथा 29 किलोग्राम शक्कर मिलना चाहिए. किंतु जुलाई माह में 10 क्विंटल गेहूं चावल,203 किलोग्राम नमक. और 17 किलो ग्राम शक्कर मिली है।

कुसुम बाई जैन का निधन

पनागर, यश भारत। नगर की विद्यासागर वार्ड निवासी श्रीमती कुसुम जैन जी का 87 वर्ष की उम्र में दुखद निधन हो गया आप स्वर्गीय सेठ केवल चंद जैन की पत्नी मनोज जैन की मां तथा सुजल जैन की दादी थी अंतिम यात्रा में सभी वर्गों के लोगों ने भाग लेकर मृत आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की

सड़क पर अतिक्रमण कर खड़ी बसों की भेंट चढ़ा मासूम बालक

शासन प्रशासन की अनदेखी बन रही दुर्घटनाओं का कारण

गोटेगांव, यश भारत। स्थानीय फुंव्वारा चौक से आपको निरंजन सिंह महाविद्यालय के आसपास रोड पर अतिक्रमणकारियों ने अपना साम्राज्य कायम कर रखा है जिसकी वजह से विगत दिवस अतिक्रमण किए हुए वाहनों की वजह से एक पिता साइकिल पर सवार होकर खुशी खुशी स्कूल पढ़ने के लिए जा रहा था तभी ट्रैक्टर ट्राली ने पिता की आंखों के सामने उसका लाडला 7 वर्षीय पुत्र ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में असमय काल के गाल में समा जाने पर मानो पिता के ऊपर जैसे पहाड़ों से टूट पड़ा हो हादसा के शिकार पुत्र के वियोग मां बाप व परिवारजनों के लिए जीवन भर ना भरने वाला जख्म बन गया है रोड पर अतिक्रमण की वजह से ही मासूम बालक हादसे का शिकार हुआ है आमनागरिकों का कहना हैकि महीनों से खड़ी रहती हैं रोड पर बसें और अतिक्रमण नहीं होता तो शायद एक पिता का पुत्र से बिछोह नहीं होता मां अपने मासूम बच्चे के लिए नहीं बिलखती लेकिन अतिक्रमण का मगरमच्छ एक मासूम बच्चे को निगल गया इस घटना से संपूर्ण क्षेत्रवासियों का दिल दहल गया क्योंकि मॉ से खुशी-खुशी स्कूल जाने की विदा लेकर घर से निकला मासूम बच्चा फिर कभी वापस नहीं आएगा मां को इसका एहसास ही नहीं था आखिर ऐसी हृदय विदारक घटनाओं का जिम्मेदार कौन है सब कुछ देखते हुए भी शासन-प्रशासन क्यों मौन धारण कर मूकदर्शक बना हुआ है आखिर अतिक्रमणकारियों की करनी का फल कब तक इस प्रकार मासूम बच्चों के मां-बाप सहते रहेंगे शासन प्रशासन को ऐसे हादसों को रोकने के लिए गंभीरता से ठोस कदम उठाकर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करना चाहिए इतना ही नहीं शहर के अनेकों स्थानों पर अतिक्रमणकारियों द्वारा दबंगई के साथ रोडों के किनारे इसी प्रकार के अतिक्रमण कर अवैध रूप से कब्जा नहीं किए होते तो शायद यह अत्यंत दुखद दुखित अनहोनी घटना घटित नहीं होती शहर का यह अतिक्रमण कभी भी किसी भी समय न जाने किसकी जान ले ली यह कोई नहीं जानता है क्योंकि हमने भीषण अतिक्रमण की वजह से हुई घटना को प्रत्यक्ष रूप से देख लिया है वर्तमान समय में शहर भीषण अतिक्रमण की चपेट में है खासतौर से शहर के कई मुख्य मार्ग सहित स्टेशन रोड से लेकर फुंव्वारा चौक के चारों तरफ बस वाहन के अलावा पशुओं का जमावड़ा हमेशा दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है क्योंकि यहां पर अव्यवस्थित बस स्टैंड बने होने के कारण बस रोड पर खड़ी होती हैं जिसकी वजह से आजू- बाजू से निकलने वाले वाहनों को विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करने के साथ-साथ हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है क्योंकि रोड़ों पर इतना अतिक्रमण होने के बावजूद भी कुछ वाहन बेहताशा रफ्तार से आने जाने के कारण जब चाहे जब ऐसी घटनाएं घटित हो सकती है क्योंकि इस एरिया में बस के साथ-साथ आसपास सब्जी फल के ठेले भी खड़े होने की वजह से रोड संकीर्ण होने की वजह से वाहन चालकों को गाड़ियों निकलने के लिए व्यवस्थित कोई जगह नहीं होती जो हमेशा घटना दुर्घटना का कारण बनते हैं लेकिन यह अतिक्रमण हटवाने में शासन-प्रशासन हमेशा ही नाकाम रहा है शासन-प्रशासन की नाकामी की वजह से एक पिता को अपना लाडला बेटा खोने पर मजबूर कर दिया जिसका हर्जाना कभी भी कोई भी पूरा नहीं कर सकता है एक पिता से पूछिए कि उसके लाडले बेटे के जाने पर उसके दिल पर क्या बीत रही है इसके बाद आज भी अतिक्रमण लगातार जारी है इस अतिक्रमण को अलग करवाने के लिए ना तो कोई मुहिम चलाई जा रही है ना ही ध्यान दिया जा रहा है आखिर शासन-प्रशासन इतना गंभीर हादसा घटित होने के बावजूद भी मौन धारण क्यों किए हुए हैं शहरवासियों ने स्थानीय शासन प्रशासन व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से शहर में बढ़ते हुए अतिक्रमण को तत्काल प्रभाव से हटवाये जाने की मांग की है ताकि भविष्य में दोबारा किसी माता-पिता को अपने लाडली बेटी को इस तरफ होने का दुख ना सहना पड़े।

स्व.मोनू पटेल की मासिक पुण्यतिथि पर 300 बच्चों को शैक्षणिक सामग्री की प्रदान

गोटेगांव, यश भारत। धार्मिक स्थल परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर में युवानेता स्वर्गीय मणिनागेंद्रसिंह जी मोनूभैया के तृतीय मासिक पुण्यतिथि पर परिवारजनों द्वारा मां भगवती त्रिपुरसुंदरी राजराजेश्वरी मैयाजी के मंदिरजी में पहुंचकर पूर्ण विधिविधान मंत्रोच्चारण के साथ पूजन अर्चन आरती वंदन करने के तत्पश्चात पूज्य शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराजजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण करने के तत्पश्चात वहां पर स्थित गुरुकुलम में अध्ययनरत 300 बच्चे को भोजन कराकर उपहार स्वरूप शैक्षिक सामग्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य बड़े भाईसाहब इं.मा.सरदारसिंहजी पटेल पूर्व राज्यमंत्री नरसिंहपुर विधायक मा.जालमसिंहजी पटेल द्वारा प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर हमेशा हरसंभव मदद करने की बात कही इस अवसर पर हाकमसिंह चढ़ार राजकुमार जैन निधानसिंह पटेल दादूराम पटेल पंकज चौकसे पं.संतोष दुबे नारायण प्रसाद गुप्ता नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि जितेंद्रठाकुरजनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरतीसतीश पटेल विक्की तिवारी गिट्ठल राय नर्मदाप्रसाद गुप्ता सहित सभी उपस्थितजनों ने पूज्य महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त कर अपना मानव जीवन धन्य बनाया

भाजपा का कार्यकर्ता देव दुर्लभ एंव तपस्वी - राकेश सिंह

सिहोरा, यश भारत। भाजपा का एक एक कार्यकर्ता देव दुर्लभ एंव तपस्वी है जिसकी ताकत पर आज हमारे देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी कर रहे हैं आज सारा विश्व भारत की तरफ़ टकटकी लगाये देख रही पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है कौन सोचता था कि कश्मीर से धारा 370,35 ए हटेगी और राममंदिर बनेगा लेकिन यह सब संभव किया देश की पीएम ने। आज हमारी पार्टी के कार्यकर्ता का मुकाबला कोई नहीं कर सकता है कांग्रेस ने अनेक चुनाव गरीबी रेखा हटाने को लेकर जीते लेकिन देश में नरेन्द्र मोदी और प्रदेश में शिवराज सिंह ने गरीबी हटाकर दिखाई है भाजपा की ताकत देखकर सारा विपक्ष एक जुट हो गया है विपक्षी दलों द्वारा अपने मोर्चा का इंडिया नाम रखने से उनके पाप धूलने वाले नहीं है आने वाले लोकसभा विधानसभा चुनाव में जनता जबाब देगी उक्ताशय के उद्गार जबलपुर के सांसद राकेश सिंह ने कृषि उपज मण्डी में विधायक एंव प्रदेश मंत्री नंदनी मरावी के संयोजन में आयोजित सिहोरा विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन में व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के पितृ पुरुषो के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। विधायक नंदनी मरावी ने सांसद राकेश सिंह सहित अनेक अतिथियों एंव देवतुल्य कार्यकर्ताओं का शाल एंव गमझा पहनाकर स्वागत किया। विधायक ने कहा कि केन्द्र एंव प्रदेश सरकार ने जनता के लिए पीएम आवास, शौचालय, आयूषमान कार्ड, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, लाडली बहना योजना सहित सैकड़ों ऐसी योजनाएं चलाई है जिससे हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है । आयोजन को जिलाध्यक्ष सुभाष रानू तिवारी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में बूथ अध्यक्ष पन्ना प्रमुख शक्ति केन्द्र प्रभारियों सहित सभी कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रहेगी ।

ये रहे मंच पर उपस्थित- कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रुप से जिला पंचायत जबलपुर अध्यक्ष संतोष बरकडे,बंहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे, पूर्व विधायक दिलीप दुबे, जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजा मोर, कुंडम जनपद अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह धुर्वे, जिला महामंत्री राजेश दाहिया, उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल,नगर मंडल अध्यक्ष अंकित तिवारी, गोसलपुर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष एंव जनपद उपाध्यक्ष दिलीप पटेल, बघराजी अध्यक्ष महेन्द्र बरकडे,कुंडम अध्यक्ष राजेश साहू, मंडल प्रभारी विनय असाटी, शिशिर पांडे, अनुपम सराफ, नगर पालिका उपाध्यक्ष शारदा तिवारी, श्रीमती अंजना सराफ, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, मंडल महामंत्री विनय जैन,डा रविन्द्र चनपुरिया,कमलेश साहू आदि मंच पर उपस्थित थे।

पनागर में मुहर्रम पर्व पर सवारी के साथ निकला समापन जुलूस

पनागर,यश भारत। स्लामिक पर्व मुहर्रम बड़ी ही धूम धाम से पनागर में मनाया गया लगभग 20 सवारियों का जुलूस नगर के मुख्य स्थलों पर भ्रमण करते हुए करबला पनागर को गया जिसमें नगर के समस्त राजनीतिक दलों के लोगो ने सवारियों का स्वागत किया जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप पटेल कांग्रेस विधानसभा प्रभारी विमल जैन पूर्व अध्यक्ष शरद खजांची आनंद जैन पदम मोदी महेंद्र चक्रवर्ती प्रमोद पटेल तुलसी कुशवाहा बाबू खान अहमद खान बहादुर राय प्रदीप नायक स्वप्निल ठाकुर सहित अनेक लोगो ने हृदय स्थल कमानिया गेट पर स्वागत किया।

ब्राह्मी विद्या बालिका मंडल एवं महिला मंडल ने बच्चों को बांटी शिक्षा सामग्री

पनागर, यश भारत। ब्राह्मी विद्या बालिका मंडल एवं शांतिनाथ महिला परिषद पनागर द्वारा आज गांधी वार्ड की आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर छोटे-छोटे बच्चों से मिली और बच्चों को कॉपी पुस्तक पेन पेंसिल और पारले जी बिस्किट दी एवं उनसे यहां मिलने वाली सुविधाओं के विषय में भी जाना वहां आंगनवाड़ी के कार्यकर्ताओं एवं बच्चों से मिलकर बहुत अच्छा लगा बालिका मंडल के अध्यक्ष कुमारी सुसीमा मोदी कुमारी सिद्धि चौधरी संस्कृति जैन मानसी परी मोदी महिला परिषद के अध्यक्ष समीक्षा चौधरी रजनी मोदी अंशुल अधिकारी प्रीति मोदी कामिनी सहित अनेक महिला परिषद की खजांची प्रीति चौधरी रानू मोदी पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल रही

सहायक शिक्षकों को भी एकमुश्त दिया जाएँ वेतनमान के अनुसार उच्च प्रभार

बरेला, यश भारत। मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष शहजाद सिंह द्विवेदी ने बताया है कि शासन के उच्च श्रेणी शिक्षकों को उच्च प्रभार के आदेश जारी होने पर सभी शिक्षक साथियों को बहुत बहुत बधाई व शुभकामनाएँ संघ शासन से माँग करता है कि सहायक शिक्षकों को भी इसी तरह वेतन मान के अनुसार एक मुस्त उच्च प्रभार दिया जाएँ माँग करने वालो में संघ के राकेश उपाध्याय ,देवराज बडकडे डी के साहू आर के लखेरा गणेश त्रिपाठी विजय नामदेव जय प्रकाश गुप्ता राकेश दुबे प्रदीप मिश्रा पुनाराम पटेल राजेश दुबे रमाकान्त मिश्रा नवीन बडगैया आदि ने भी सहायक शिक्षकों को एकमुश्त उच्च प्रभार दिया जाने की मांग की है ।

किसानों को दी जाए निर्बाध 10 घंटे बिजली

पनागर, यशभारत। विधायक सुशील तिवारी द्वारा म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर पनागर क्षेत्र में व्याप्त बिजली की समस्याओं पर चर्चा की गई। इस दौरान विधायक ने उनकी विधानसभा के कृषको को निर्बाद्ध 10 घंटे एवं घरेलू उपभोक्ताओं को लगातार विद्युत सप्लाई दिए जाने की बात कही। बैठक में नये ट्रांसफॉर्मर लगाने, अपग्रेड करने, कटी-फटी केबिल बदलने, गली मोहल्ले में झूलती केबिल लाइन खंबों में लगाने, दुर्घटना संभावित विद्युत लाइन को व्यवस्थित करने के लिए समयबद्ध कार्य योजना बनाई गई। इस मौके पर नीरज कुचिया अधीक्षण यंत्री, विवेक जसेले कार्यपालन यंत्री,अमित सक्सेना सहायक यंत्री एवं सभी संभाग के सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे।

बगासपुर में उधारी के रुपए मांगने पर युवक को किया घायल

गोटेगांव, यश भारत। जिले के गोटेगांव अंतर्गत ग्राम बगासपुर में उधारी के रुपए मांगने पर युवक को घायल किया प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवक के परिजनों ने थाना गोटेगांव पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई जिसमें उल्लेखित किया गया कि मैं बजरंग वार्ड निवासी विजय परसवार ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों में पहुंचकर सब्जी बेचने का कार्य करता हूं

जोकि आज दिन शुक्रवार को ग्राम बगासपुर का बाजार रहता है जिसके चलते मैं भी अपनी सब्जियां लेकर बाजार में बेचने आया था जोकि सब्जियां बेचने के उपरांत शाम को ग्राम बगासपुर निवासी रोहित पटेल को बीते सप्ताह मैं मेरे द्वारा उधार 1100 सौ रुपए की सब्जियां दी थी जिसके पैसे मैंने रोहित पटेल से मागे तो उसके द्वारा पैसे देने से इनकार करते हुए गाली गलौज कर जातिसूचक शब्द कहने के साथ साथ धक्का-मुक्की करने लगा उस दौरान मैं नीचे गिर गया और वहीं पर पड़े पत्थर से रोहित पटेल मुझे मारने लगा जिससे कि मैं बुरी तरह से घायल हो गया।

झोतेश्वर में आदिवासी समाज की बैठक आयोजित

गोटेगांव, यश भारत। विगत दिवस समीपवर्ती धार्मिक स्थल झोतेश्वर मेला ग्राउंड स्थित श्री महादेव मंदिर प्रांगण में सर्व आदिवासी समाज की एक अति आवश्यक बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति नीलेश काकोड़िया की गरिमामई उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक में सामाजिक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किए जाने के उपरांत सर्वसम्मति से आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर नरसिंहपुर मुख्यालय पर जिले की सभी ब्लाकों के सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम आयोजन करने का प्रस्ताव पारित किया गया इस अवसर पर पूर्व सरपंच रूपसिंह ठाकुर झौत सरपंच नारायणसिंह ठाकुर रणधीर ठाकुर देवीसिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में सजातीय बंधु उपस्थित थे

अभिमानी को कभी भी नहीं मिलता है ज्ञान-शंकराचार्य

गोटेगांव, यश भारत। धार्मिक स्थल परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर में परमाराध्य परमधर्माधीशउत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमपूज्य शंकराचार्य स्वामिश्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराजजी ने अपनी अमृत मय वाणी से धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहाकि ज्ञान एक प्रवाह है जो गुरु के मुख से सत्शिष्य के हृदय में प्रवाहित होता है विनम्र बनने पर ज्ञान सहज में उपलब्ध हो जाता है जो अभिमानी होता है उसे ज्ञान नहीं मिल पाता है आगे पूज्य महाराजश्री ने कहा कि सुख और दुःख दोनों आपस में एक-दूसरे से मिले हुए हैं इसी कारण एक के आने पर दूसरा नहीं रहता और दूसरे के आने पर पहला नहीं रहता दोनों की जोडी बनी हुई है यदि हमें आनन्द प्राप्त करना है तो इन दोनों से ऊपर उठना होगा,

पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन कर लिया आशीर्वाद- चातुर्मास्य के मंच पर केन्द्रीय इस्पात मंत्री मा.फग्गनसिंह कुलस्ते ने पहुंच कर ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य जी महाराजश्री के दर्शनकर आशीर्वाद ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कहाकि ब्रह्मलीन द्विपीठाधीश्वर जी महाराज का मैं शिष्य हूं और अक्सर मुझे इस क्षेत्र में आने का सुअवसर प्राप्त होता रहा है हमें पूर्ण विश्वास हैकि उनके ही जैसा प्रेम और वात्सल्य हमें वर्तमान ज्योतिष्पीठाधीश्वर महाराजजी से भी प्राप्त होगा मैं इनके व्यक्तित्व से काफी प्रभावित हूं और इनको सदा सुनता रहता हूं धर्म के प्रति इनके समर्पण व निष्ठा को मैं नमन करता हूं पूज्य शङ्कराचार्यजी के प्रवचन के पूर्व श्रीमद् भागवत कथा के यजमान गोविंदजी तिवारी अशोकजी कसेरा बारहबड़ा को पूज्य शंकराचार्यजी की पादुका पूजन करने का सौभाग्य मिला मंच पर प्रमुख रूप से शंकराचार्य महाराज की निजी सचिव चातुर्मास्य समारोह समिति अध्यक्ष ब्रह्मचारी सुबुद्धानन्द जी ज्योतिष्पीठ पं.आचार्य रविशंकर द्विवेदी शास्त्रीजी गुरुकुल संस्कृत विद्यालय उपप्राचार्य पं राजेन्द्र शास्त्री जी ब्रह्मचारी निर्विकल्पस्वरूप जी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए मंच का संयोजन अरविन्द मिश्र एवं संचालन ब्रह्मचारी ब्रह्मविद्यानन्द जी ने किया धर्मसभा में मुख्यरूप से पं. आनंद तिवारी अन्नूभैया व्यवस्थापक सुंदरपांडे पं.सुनील शर्मा सोहन तिवारी माधवशर्मा रघुवीरप्रसाद तिवारी राजकुमार तिवारी पं.आनंद उपाध्याय बद्री चौकसे नारायणगुप्ता सांसद प्रतिनिधि पं.संतोषदुबे पंकज चौकसे कपिल नायक सहित बड़ी संख्या में गुरुभक्तों की उपस्थिति में भागवत कथा आरती के उपरांत प्रसाद का वितरण किया गया चातुर्मास्य के अवसर पर पूज्य शङ्कराचार्यजी महाराज का गीता पर प्रवचन प्रातः 7.30 से 8.30 बजे तक भगवती राजराजेश्वरी मन्दिर में होता होता है धर्म सभा में बड़ी संख्या में जनप्रति निधियों व भक्तजनो ने उपस्थित होकर अपना मानव जीवन धन्य बनाया

प्रदेश कांग्रेस ने बनाये ब्लाक स्तर पर संगठन मंत्री

पनागर, यश भारत। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जबलपुर ग्रामीण में ब्लाक स्तर पर प्रत्येक ब्लाक में एक संगठन मंत्री नियुक्त किये गये हैं जिला कांग्रेस के अध्यक्ष डा0 नीलेश जैन, की जानकारी अनुसार जबलपुर ग्रामीण क्षेत्र में 15 ब्लाक में 15 संगठन मंत्री नियुक्त किये गये है इसकी नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष द्वारा की गयी है. प्रदीप पटेल संगठन मंत्री पाटन सौरभ दुबे मझौली राजेश यादव कटंगी रविमोहन पटेल पौड़ी पवन सोनी सिहोश नवल सिंह बरकडे कुंडम मुकेश तिवारी गोसलपुर रोहिणी पटेल बेलखेड़ा किशन ठाकुर चरगवाँ प्रशांत पटेल सहजपुर आकाश सैनी बरगी जवाहर बर्मन शहपुरा सूरज मसराम बरगी नगर स्वप्निल ठाकुर पनागर अनुराग पटेल बरेला अजीत परिहार बेलखालू कमलेश पटेल महाराजपुर संगठन मंत्री किये गये हैं। इनका नेतृत्व जिला अध्यक्ष एवं जिला संगठन मंत्री राजकिशोर पटेल करेंगें ।

साई सेवा समिति ने पौधा रोपित कर ग्रामीणों को किया जागरूक

गोटेगांव, यश भारत। विगत दिवस स्थानीय श्री सत्य साईं सेवा समिति ने संपूर्ण मध्यप्रदेश में मानव समाज की स्वास्थ्य सुख शांति एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य चलाए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम कमोद पहुंचकर अशोक आंवला साबुन बिल कचनार बादाम अमरूद के 36 पौधे रोपित कर ग्रामवासियों को हमारे जीवन में वृक्षों की कितनी अधिक महत्वता के बारे में विस्तृत जानकारी देने के उपरांत ग्राम के श्री सत्य साई भक्तों को सुरक्षा का दायित्व सौंपकर प्रत्येक ग्राम वासियों को एक एक पौधा अवश्य लगाने का संदेश देकर जागरूक किया इस अवसर पर सत्य साई सेवा समिति पदाधिकारी सदस्यो का सराहनीय सहयोग रहा

फाइनल में हुई गड़बड़ी के बाद विश्व कप के दौरान बारिश से निपटने के लिए खास तैयारी कर रहा है बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 फाइनल के दौरान, अहमदाबाद में भारी बारिश की वजह से शुरू हुई परेशानी के बाद बीसीसीआई वनडे विश्व कप 2023 के दौरान बारिश से संबंधित मुश्किलों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. कुछ विश्व कप वेन्यू पर अक्टूबर और नवंबर के महीनों में बारिश की संभावना हैं, ऐसे में उन चुनिंगा स्टेडियम में बारिश कवर के साथ पूरा मैदान कवरेज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है. खेल गांव में नहीं, 5-स्टार होटल में रुकेगी रुतुराज गायकवाड़, हरमनप्रीत कौर की टीम इंडिया विश्व कप 2023 मैचों की टिकट पर जय शाह का बड़ा ऐलान, इस दिन शुरू होगी टिकटों की बिक्री वनडे विश्व कप 2023 के दौरान स्टेडियम में फैंस को मिलेगा फ्री पानी, ब्ब्ष्टब्ढ्ढ ने किए बड़े वादे फुल ग्राउंड रेन कवर स्थापित करने के फैसला का लक्ष्य टूर्नामेंट को खराब मौसम की वजह से होने वाली रुकावटों से सुरक्षित रखने और प्रशंसकों और खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा क्रिकेट अनुभव बनाना है. बीसीसीआई 2023 वनडे विश्व कप को सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है. आईपीएल 2023 फाइनल के दौरान अहमदाबाद में भारी बारिश की वजह से स्टैंड से पानी भर गया था जिससे स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को काफी परेशानी हुई थी. वहीं बारिश के पानी की वजह से कई फैंस की टिकट खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें रिजर्व डे के दिन स्टेडियम में री-इंट्री करने में काफी मुश्किल हुई. बीसीसीआई ने अपने बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण के लिए हर वनडे विश्व कप 2023 स्थल को 50 करोड़ रुपये आवंटित करने का सक्रिय कदम उठाया है. इस राशि का उपयोग सुविधाओं को बेहतर करने और फैंस के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा. फुल ग्राउंड रेन कवर की स्थापना के अलावा, आवंटन का उद्देश्य आयोजन स्थलों पर बैठने की व्यवस्था, विश्राम कक्ष सुविधाओं और सुरक्षा उपायों को बढ़ाना है, जिससे क्रिकेट प्रेमियों को विश्व स्तरीय खेल तमाशा पेश किया जा सके.वनडे विश्व कप 2023 को अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, धर्मशाला, दिल्ली, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, लखनऊ और कोलकाता सहित भारत भर में दस आधिकारिक स्थानों पर आयोजित किया जाएगा. टूर्नामेंट से पहले, तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी शहरों में अभ्यास खेल आयोजित किए जाएंगे।

क्या एशेज 2023 के बाद रिटायरमेंट लेंगे जेम्स एंडरसन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा कि वह पांचवें एशेज टेस्ट के बाद क्रिकेट को अलविदा नहीं कहना चाहते क्योंकि अभी वह अपनी टीम को बहुत कुछ दे सकते हैं. इंग्लैंड के लिये सर्वाधिक विकेट ले चुके एंडरसन रविवार को 41 वर्ष के हो जायेंगे. उन्होंने इस एशेज सीरीज में पांच ही विकेट लिए हैं लेकिन उनका मानना है कि उन्होंने खराब गेंदबाजी नहीं की. उन्होंने बीबीसी से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैने खराब गेंदबाजी की या मेरी रफ्तार कम हुई है. मुझे लगता है कि अभी भी इस टीम को बहुत कुछ दे सकता हूं.'' उन्होंने कहा, ''जहां तक संन्यास का सवाल है तो मैं जल्दी ही नहीं लेने वाला. अभी मैं बहुत कुछ दे सकता हूं. आप दुआ करते हैं कि खराब दौर बड़ी सीरीज में नहीं आये लेकिन मेरे साथ ऐसा हो रहा है . वैसे मेरे पास टीम के लिये कुछ करने का एक और मौका है. मैने आज अच्छी गेंदबाजी की और कल कुछ विकेट ले सकूंगा.'' एशेज के पांचवें टेस्ट के दूसरे दिन एंडरसन ने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन मिशेल मार्श के रूप में अपना एकमात्र विकेट लिया. उन्होंने कहा, आप प्रार्थना करते हैं कि आपकी सबसे बड़ी सीरीज के दौरान आपका खराब पैच ना आएं, लेकिन दुर्भाग्य से मेरे लिए यही स्थिति है.उन्होंने कहा, टीम के लिए कुछ करने का प्रयास करने के लिए मेरे पास अभी भी एक और पारी है. मुझे लगा कि आज मैंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और किसी अन्य दिन मुझे कुछ और विकेट मिल सकते थे. ऐसा लगा जैसे मैंने फॉरवर्ड डिफेंस को बहुत चुनौती दी है, जो कि मैंने अपने पूरे करियर में करने की कोशिश की है.पहले दो टेस्ट मैचों में पिचों से मदद ना मिलने पर, एंडरसन ने एजबेस्टन में केवल एक और लॉर्ड्स में दो विकेट लिए, जबकि दोनों मौकों पर इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा. हालांकि, एंडरसन हेडिंग्ले टेस्ट से नहीं खेले थे. ओवल में चल रहे पांचवें टेस्ट में, एंडरसन 1925 में जॉनी डगलस के बाद एशेज टेस्ट में इंग्लैंड के लिए गेंदबाजी की शुरुआत करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। एशेज सरीज के बाद इंग्लैंड को अब जनवरी में भारत में खेलना है और एंडरसन को उम्मीद है कि वह तब तक खेलेंगे. उन्होंने कहा, ''गेंदबाज के तीस पार करते हुए लोग पूछने लगते है कि अब कितना समय बचा है।

हम बोलेंगे तो बोलोगे कि...

दुकानें बंद हों, कर्णधार जागें, तभी होगा खेलों का विकास

प्रवीण अग्रहरि

कभी खेलधानी के नाम से जानी जाने वाली संस्कारधानी से खेल प्रतियोगिताएं गायब ही हो गई हैं। एक समय था जब कबड्डी, बालीबाल ,खो –खो, बास्केटबाल, हाकी बॉक्सिंग और फुटबाल के दर्जनों क्लब हुआ करते थे।रोजाना खेल मैदानों पर प्रतियोगिताएं भी आयोजित होतीं थी । खिलाड़ी मैच जीतने के लिए जी जान लगा देते थे। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के दौरान खेल प्रेमी भी बड़ी संख्या में अपने अपने क्लबों के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए मैदानों में मौजूद रहते थे। इसमें पुलिस स्टेडियम, शिवाजी मैदान, रेलवे मैदान, राममंदिर मैदान खलासी लाइन स्कूल, पीएसएम मैदान,राइट टाउन स्टेडियम, बिलहरी मैदान, गैरिसन ग्राउण्ड में दोपहर से ही मैचों में धूम मची रहती थी। इनमें विभागीय टीमें जैसे पुलिस, आयुध निर्माणी,पीएंड टी ,रेलवे, मप्रविमं,सर्विसेज और स्थानीय क्लबों की टीमों में खिताब जीतने के लिए कड़ा संघर्ष होता था। परंतु समय बदला। विभागों ने खिलाड़ियों की भर्ती बंद हो गई । जो खिलाड़ी खेला करते थे ।उन्होंने बढ़ती उम्र के कारण खेल से नाता तोड़ लिया। अधिकांश खिलाड़ी विभागों से रिटायर हो गए। क्लब भी अब नहीं रहे। प्रतियोगिताएं बंद हो गईं। कुछेक खेलों के मैदानों में अब भी खिलाड़ी पसीना तो बहा रहे हैं पर प्रतियोगिताएं न होने के कारण उन्हे अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका ही नहीं मिलता । उनसे राज्यस्तरीय खेलों में पदक की उम्मीद करना बेमानी है। ऐसे में खेल संघों के पदाधिकारियों को नये सिरे से प्रयास करने चाहिए। जो क्लब बंद हो चुके हैं उन्हें फिर शुरू करके नये सिरे से प्रतियोगिताएं कराने की कोशिश की जाए तो कुछ बात बन सकती है। पर इसकी जहमत उठाए कौन। कई लोग ऐसे हैं जो खेलसंघों के पदाधिकारी होते हुए भी कोच की भूमिका निभाकर मैदान में खिलाड़ियों के साथ नजर आते हैं परंतु कई ऐसे हैं जो खेलों के नाम पर कमा खा रहे हैं। उन्होंने मैदानों में खेलों की बारीकियां सिखाने ने नाम पर दुकानें खोल रखीं हैं। उनकी फीस भी तगड़ी रहती है। कुछ खिलाड़ियों के परिजन पैसा देकर बच्चों को प्रशिक्षण दिला रहे हैं। क्रिकेट को छोड़ दिया जाएं तो अन्य खेलों में खर्च ही नहीं होता। फिर भी कोच शुल्क वसूल रहे हैं जो कि खिलाड़ियों के साथ नाइंसाफी ही कहीं जाएगी। इनमें कई खेलों के कथित कोच तो जगह जगह दुकानें सजाए हुए हैं। उनकी निजी स्कूलों से साठगांठ है । वे जहां बच्चों को खेलों के बारिकियां सिखाने के नाम पर अभिभावकों की जेबें काट रहे हैं। इसके विपरीत कई कोच खिलाड़ियों को अपनी जेब से किट उपलब्ध कराकर एक नजीर पेश कर रहे हैं। इसमें उनका कोई स्वार्थ नहीं होता। वे तो चाहते हैं कि खिलाड़ी या टीम बेहतर प्रदर्शन करे ताकि उनका व शहर का नाम हो।

वेस्टइंडीज ने भारत को छह विकेट से हराया

सीरीज में 1-1 से बराबरी की, होप की कप्तानी पारी

बारबाडोस, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला वेस्टइंडीज ने छह विकेट से जीत लिया। इसके साथ ही कैरिबियाई टीम ने तीन मैच की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 181 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने चार विकेट खोकर 182 रन बना लिए और मैच जीत लिया। केसी कार्टी ने हार्दिक के ओवर में लगातार दो चौके लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। भारत के लिए सबसे ज्यादा 55 रन ईशान किशन के बल्ले से निकले थे। वहीं, वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड और गुदाकेश मोती ने तीन-तीन विकेट लिए थे। वेस्टइंडीज ने 182 रन का लक्ष्य 36.4 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। शाई होप ने कप्तानी पारी खेली और नाबाद 63 रन बनाए। वहीं, केसी कार्टी 48 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए शार्दुल ने तीन विकेट लिए। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मैच मंगलवार को त्रिनिदाद में खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली नहीं थे। दोनों दिग्गजों को आराम दिया गया था और इन दोनों की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाई। इसी वजह से भारत को वेस्टइंडीज की उस टीम से हार का सामना करना पड़ा, जो वनडे विश्व कप के लिए क्वालिफाई भी नहीं कर पाई है और क्वालिफायर राउंड में जिम्बाब्वे और स्कॉटलैंड जैसी टीमों से हार गई थी। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाई होप ने नाबाद 63 और केसी कार्टी ने नाबाद 48 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 91 रन की नाबाद साझेदारी कर वेस्टइंडीज को भारत के खिलाफ पिछले 10 वनडे मैच में पहली जीत दिलाई।

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व कप 2023 मैचों की टिकट पर जय शाह का बड़ा ऐलान, इस दिन शुरू होगी टिकटों की बिक्री भारत की पुरुष और भारत की महिला क्रिकेट टीम दोनों एशियाई खेल क्रिकेट में खेलेंगी, क्योंकि बीसीसीआई ने पिछले दो सीजन को छोड़ने के बाद आखिरकार मंजूरी दे दी है. हालांकि, बीसीसीआई ने अभी तक इस पर फैसला नहीं लिया है कि टीमें एशियाई खेल गांव में रहेंगी या नहीं. हालांकि कुछ लोग कह सकते हैं कि यह तरजीही व्यवहार है, टीमें पहले मैच से एक हफ्ते पहले तक हांगझू नहीं पहुंचेंगी.

खेल गांव में नहीं, 5-स्टार होटल में रुकेगी रुतुराज गायकवाड़, हरमनप्रीत कौर की टीम इंडिया

रुतुराज गायकवाड़ और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम आगामी एशियाई खेलों 2023 के दौरान खेल गांव में रहने के बजाय हांग्जो में पांच सितारा होटल में रुक सकती है. इससे पहले 1998 के राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान भी भारतीय टीम ने खेल गांव में ना रहने का विकल्प चुना था. एशियन गेम्स में सीधे क्वॉर्टर फाइनल खेलेंगी भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीम, जानिए कैसे

पुरुष टीम के लिए, एशियाई खेल क्रिकेट क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान या बांग्लादेश के खिलाफ 5 अक्टूबर से शुरू होगा. आईसीसी रैंकिंग के आधार पर भारत क्वार्टर फाइनल में शुरुआत करेगा. चूंकि पुरुषों के टूर्नामेंट में 18 टीमें शामिल हैं, इसलिए क्वार्टर फाइनल से पहले पूरे दो हफ्ते लगेंगे. यही कारण है कि भारतीय टीम देरी से रवाना होगी.

बीसीसीआई ने इनसाइडस्पोर्ट्स से बातचीत में बताया, अभी तक इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है कि टीमें खेल गांव में रुकेंगी या नहीं. आने वाले दिनों में पता चलेगा. हम यात्रा पर आईओए के साथ बातचीत कर रहे हैं और लॉजिस्टिक्स जैसी हर चीज आईओए के अधीन होगी. जहां तक बात है कि टीमें पांच सितारा सुविधा में रहेंगी या खेल गांव में, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अभ्यास स्थल कितनी दूर है और क्रिकेटरों के लिए किस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं.

पुरुषों का आयोजन 28 सितंबर को शुरू होगा और फाइनल 7 अक्टूबर को होगा. यह विश्व कप 2023 से टकराएगा जो 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में शुरू होगा. यह पहली बार है कि भारत एशियाई खेलों में क्रिकेट खेलेगा. बीसीसीआई ने 2010 और 2014 सीजन में टीमें भेजने से इनकार कर दिया था.

रुतुराज गायकवाड़ एंड कंपनी 5 अक्टूबर (क्वार्टरफाइनल), 6 अक्टूबर (सेमीफाइनल) और 7 अक्टूबर (फाइनल) को खेलेगी. जहां तक महिला टीम का सवाल है, शेड्यूल अभी जारी नहीं हुआ है. हालांकि, संभावना है कि एशियाई खेल 2023 के लिए पुरुष और महिला दोनों टीमें एक साथ यात्रा करेंगी.

रंग संसार

जब कियारा आडवाणी ने शादी से पहले जताई थी प्रेग्नेंट होने की इच्छा बोलीं बेबी का जेंडर कुछ भी हो

मुंबई, एजेंसी। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं. दोनों ने कुछ सालों की सीक्रेट डेटिंग के बाद 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के जैसलमेर में ग्रैंड वेडिंग की थी. ये कपल आए दिन साथ में स्पॉट होता रहता है. सिड और कियारा ने के बीच की केमिस्ट्री उनकी फिल्म 'शेरशाह' की शूटिंग के दौरान शुरू हुई थी. शादी के बाद से ही कपल के फैंस 'गुड न्यूज' का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि कियारा ने शादी से पहले ही प्रेग्नेंट होने की इच्छा जताई थी.

आखिर क्या मां बनना चाहती थी कियारा

दरअसल सालों पहले आई फिल्म 'गुड न्यूज' के प्रमोशन के दौरान मीडिया इंटरेक्शन में कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंट होने की इच्छा व्यक्त की थी. कियारा आडवाणी ने बताया था कि वह केवल इसलिए प्रेग्नेंट होना चाहती थीं, ताकि वह जो चाहें, उसे खा सकें. कियारा ने कहा था, 'मैं केवल इसलिए प्रेग्नेंट होना चाहती हूं, ताकि मैं जो चाहूं खा सकूं और स्वतंत्र रहूं'. इसी इंटरव्यू में एक्ट्रेस से पूछा गया था कि क्या वह जुड़वा बच्चे चाहती हैं? इस पर कियारा ने कहा था कि वह सिर्फ स्वस्थ बच्चे चाहती हैं.कियारा ने एक बेटा और एक बेटी की मां बनने की भी इच्छा जताई थी.

जब सासू मां को किया KISS

दरअसल, बीते दिन यानी मंगलवार को कियारा आडवाणी ने इंडिया कॉटर वीक में डिजाइनर फाल्गुनी और शेन पिकॉक के लिए रैंप वॉक किया था. इसके लिए एक्ट्रेस ने पिंक कलर का थाई हाई स्लिट लहंगा पहना था, जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही थीं. वहीं, रैंप वॉक करते हुए कियारा ने कुछ ऐसा किया कि एक्ट्रेस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. बता दें कि जब कियारा आडवाणी रैंपवॉक कर रही थी तो एक्ट्रेस ने अपनी सासू मां को फ्लाइंग किस दिया. इतना ही नहीं बल्कि उनकी सासू मां भी उन्हें किस देती नदर आई

इन फिल्मों में आएंगी नजर

वहीं, कियारा आडवाणी की आने वाली फिल्मों की बात करें तो 'सत्यप्रेम की कथा' के बाद उनके पास कई और प्रोजेक्ट्स हैं. फिलहाल वह अपने बर्थडे पर पति सिद्धार्थ के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही हैं. एक्ट्रेस का जन्मदिन 31 जुलाई को है. कियारा आडवाणी का साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ 'गेम चेंजर' है. वहीं, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ 'वॉर 2' भी पाइपलाइन में है.

शबाना आज़मी के साथ धर्मेंद का लिप लॉक! चद्धह्यह्य ने सोशल मीडिया पर मचाया हंगामा

मुंबई, एजेंसी। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' इस वक्त चर्चा का विषय बनी हुई है. इस फिल्म से बॉक्स ऑफिस को और साथ ही करण जौहर को कई सारी उम्मीदें हैं. ऐसे में इसी बीच फिल्म से जुड़े कुछ सीन को लेकर जमकर बावल हो रहा है और ये सीन लीड एक्टर रणवीर सिंह और आलिया का नहीं है बल्कि धर्मेंद्र और शबाना आज़मी का है. दरअसल धर्मेंद्र और शबाना आजमी के बीच एक इंटीमेट सीन काफी चर्चा में है. ऐसे में आइए जानते हैं क्या है वो सीन और फैंस क्यों हो रहे हैं।

शारिब हाशमी का सपना पूरा करने के लिए पत्नी ने बेच दिए थे अपने गहने, दो वक्त की रोटी के लिए बेचना पड़ा घर

मुंबई, एजेंसी। एक्टर, राइटर, निर्माता और निर्देशक शारिब हाशमी ओटीटी इंडस्ट्री का बड़ा नाम बन चुके हैं. उनके बिना अब कोई भी वेब सीरीज अधूरी सी लगती है. हाल ही में अपनी फिल्म 'तरला' से सुर्खियों में आए शारिब हाशमी ने अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए बताया कि उनकी पत्नी को अपने गहने बेचने पड़े थे. उन्होंने बताया कि अपने पहले प्रोजेक्ट का ऑफर पाने के लिए उन्हें तीन साल तक ऑडिशन देना पड़ा था. इस दौरान उनका परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा था, ऐसे में एक्टर की पत्नी ने पैसों का इंतजाम करने के लिए अपने गहने बेच दिए. इतना ही नहीं शारिब हाशमी के मुश्किल दिनों में गुजारा करने के लिए उन्हें अपना घर तक बेचना पड़ा था. जब कियारा आडवाणी ने शादी से पहले जताई थी पत्नी ने बेच दिए अपने गहने और घर दैनिक भास्कर को दिए इंटरव्यू में एक्टर शारिब हाशमी ने अपने स्ट्रगल के दिनों का खुलासा किया है. शारिब के मुताबिक, 2003 में उनकी शादी हुई और 2009 में उन्होंने फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने के लिए एमटीवी में इन-हाउस राइटर की नौकरी छोड़ने का फैसला किया. उन्होंने बताया कि जब उन्हें धोबी घाट में एक रोल के लिए रिजेक्ट कर दिया गया, तो उस समय उनके पास कोई नौकरी नहीं थी. हालांकि फिर भी उन्होंने कोशिश जारी रखी और तय कर लिया कि वो फिल्मों में जरूर काम करेंगे.

दो वक्त की रोटी का भी इंतजाम करना था मुश्किल–शारिब हाशमी कहते हैं, 'नौकरी छोड़ने के बाद मैंने केवल ऑडिशन देना था, मुझ पर मेरी पत्नी और हमारे बच्चे की जिम्मेदारियाँ भी थीं. मेरी बचत खत्म होने लगी और मैंने दोस्तों से कर्ज मांगना शुरू कर दिया. मुझे नहीं लगता कि एक भी दोस्त ऐसा था जिससे मैंने पैसे के लिए संपर्क न किया हो. संघर्ष भरे उस दौर में मेरी पत्नी ने मेरा बहुत साथ दिया. उसने अपने गहने बेच दिए ताकि हम घर में दो वक्त की रोटी का इंतजाम कर सकें. हमने अपना गुजारा चलाने के लिए अपना घर भी बेच दिया. समय के साथ मेरी उम्मीद भी जवाब देने लगी थी, एक टाइम था जब मुझे ये लगने लगा था कि अपने परिवार के लिए खाने का इंतजाम कैसे करूंगा'.

एक्टर ने आगे कहा, मेरे ऑडिशन देने का दौर तीन साल तक चला और फिर मैंने फिर से नौकरी करने का फैसला किया. मैंने सोनी टीवी के साथ काम करना शुरू किया और उनके शो के लिए एंकरों के लिए स्क्रिप्ट लिखी. मैंने मेहरूनी नामक एक शॉर्ट फिल्म में काम किया।

100 मिलियन व्यूज के साथ धमाल मचा रहा सुपरस्टार रितेश पांडे का गाना आईल बारू नाचे शहर सासाराम

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी सुपरस्टार रितेश पांडे का जलवा भोजपुरी म्यूजिक लवर्स पर खूब देखने को मिलता है.उनके सभी गाने रिलीज के साथ वायरल होने लगते हैं.आज हम उनके एक ऐसे ही गाने के बारे में बता रहे हैं जिसने 100 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है.इस गाने में रितेश पांडे ने शिल्पी राज के साथ मिलकर आवाज दी है जो बेहद कर्णप्रिय और सुरीला है.गाने के लिरिक्स में शानदार है इस वजह से गाना आईल बारू नाचे शहर सासाराम का व्यूज काफी बढ़ रहा है.

शारिब हाशमी का सपना पूरा करने के लिए पत्नी ने बेच दिए थे अपने गहने, दो वक्त की रोटी के लिए बेचना पड़ा घर वही गाने को मिली सफलता को लेकर रितेश पांडे गदगद हैं और उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि हमारा यह गाना इतना बड़ा और चार्टबस्टर हो जाएगा.इसके लिए मैं सुधि भोजपुरी के दर्शकों को प्रणाम करता हूं कि आपके प्यार और आशीर्वाद ने इस गाने को बहुत बड़ा बनाया है.मैं आपसे आग्रह करूंगा कि अभी 100 मिलियन पार हुए हैं.आप ही ने और भी प्यार और आशीर्वाद दें.उन्होंने बताया कि गाना आईल बारू नाचे शहर सासाराम÷ मस्ती और धमाल वाला गाना है. बता दें कि गाना ÷आईल बारू नाचे शहर सासाराम÷ को रितेश पांडे और शिल्पी राज ने मिलकर गाया है.यह गाना रिद्धि म्यूजिक वर्ल्ड के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ था.इस खूबसूरत गाने के गीतकार मनजीत मीत है जबकि संगीतकार एडीआर आनंद है.वीडियो डायरेक्टर रवि पंडित हैं.डीओपी रंजीत सिंह है और एडिटर दीपक पंडित है.पी आर ओ रंजन सिन्हा हैं.

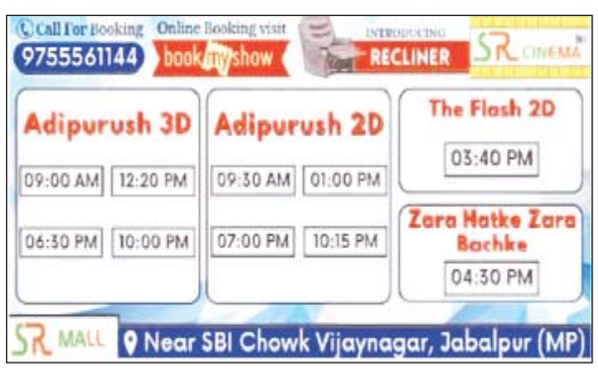

यदि आप को यशभारत न्यूज पेपर नहीं प्राप्त हो रहा है तो संपर्क करें मो. 9407348995, 7999718732

» न्यूज गैलरी

जबलपुर जिले में मूंग का रिकार्ड तोड़ उत्पादन

जबलपुर, यशभारत। आमतौर पर मूंग के उपार्जन में बहुत तेजी नहीं दिखाई पड़ती। क्योंकि खुले बाजार एवं मंडियों में मूंग-उड़द के रेट बहुत अधिक रहते थे। उड़द के दाम तो अभी भी बाजारों में अच्छे हैं, इसलिए उड़द का उपार्जन तो कहीं नहीं हो पाया, लेकिन मूंग विक्रय के प्रति किसानों में जबर्दस्त उत्साह देखा गया। उपार्जन की अंतिम तारीख आने से पहले ही इतनी खरीदी की जा चुकी है, जो अपने आप में रिकार्ड है। जिले में अब तक 30 हजार 622 टन मूंग की खरीदी हो चुकी है। इस बीच शासन की ओर से भी मूंग उपार्जन के लिए अंतिम तारीख सात अगस्त तक बढ़ा दी है।मूंग उपार्जन के लिए पहले वर्ष 19 खरीदी केंद्र रहे। इस वर्ष केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 35 कर दी गई। इसके साथ ही बाजारों में मूंग का रेट 7200 रुपये क्विंटल के आस-पास ही अटका हुबा है। जबकि सरकारी खरीदी केंद्रों पर एमएसपी 7755 रुपये है। लिहाजा किसान मंडियों एवं खुले बाजारों की अपेक्षा सरकारी खरीदी केंद्रों का रूख ज्यादा कर रहे हैं।

जबलपुर में छह माह में 25 हजार संपत्तियां बढ़ीइ

जबलपुर, यशभारत। नगर निगम जबलपुर के राजस्व विभाग ने पिछले छह माह में करीब 25 हजार नई संपत्ति खोजी है। ये संपत्तियां नगर निगम के रिकार्ड में दर्ज की गई है। इससे एक तरफ जहां नगर निगम का राजस्व बढ़ेगा वहीं संपत्ति मालिक यानी 25 हजार नए बढ़े करदाताओं से मिलने वाले करों से शहर का विकास करने में मदद मिलेगी। करों से प्राप्त राशि विकास व निर्माण कार्यों में खर्च की जाती है। विदित हो कि कर वसूली अभियान के दौरान नगर निगम के राजस्व अमले ने सभी 16 संभागों के अंतरगत आने वाले 79 वार्डों में कर वसूली अभियान चलाया था। इस दौरान अधिकांश ने जहां अपनी नई संपत्तियां दर्ज की वहीं राजस्व अमले ने भी अपनी तरफ से नई संपत्तियों को खोजते ही उसे रिकार्ड में दर्ज कर लिया। दरअसल कई बार नगर निगम का अमला वार्डों में भ्रमण को जाता था तो वहां उन्हें कई बार ऐसी संपत्ति मिलती थी जिनका नगर निगम में कोई रिकार्ड नहीं होता था इस कारण उनसे कर वसूली नहीं हो पाती थी। इसी को देखते हुए नगर निगम नने अभियान चलाकर संपत्तियों को नगर निगम में दर्ज किया।

तीन करोड़ की वसूली के लिए आज जमा हो रहे बिजली बिल

जबलपुर,यशभारत। माह के आखिर में राजस्व वसूली का लक्ष्य हासिल करने के लिए बिजली अमला दिन-रात बकाया बिल वसूली में जुटा हुआ है। बकायादारों से बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं वहीं रविवार को अवकाश के बावजूद बिजली बिल जमा करने की सुविधा कंपनी ने दी है। शहर में सभी एटीपी मशीनों को चालू रखा गया है ताकि उपभोक्ता बिल की राशि जमा कर सके। इसके अलावा जिन उपभोक्ताओं के बिल जमा नहीं हो रहे हैं उनसे वसूली के लिए बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही है।बता दें कि 18 करोड़ रुपये के लक्ष्य से करीब तीन करोड़ रुपये पीछे होने की वजह से शनिवार को दस हजार से ज्यादा बिल वाले बकायादारों के कनेक्शन काटे गए। शहर भर में 170 से ज्यादा बिजली कनेक्शन काटा गया। रविवार को भी बिल जमा करने के लिए एटीपी मशीन और वसूली अभियान को जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

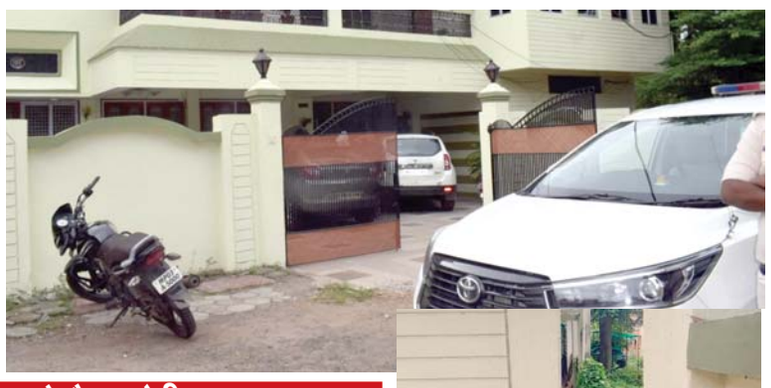

एक महिला घायल, 20 तौला जेवरात, केश ले गए आरोपी

देर रात पूर्व डीजीपी के घर के समीप डकैती

जबलपुर, यशभारत। ओमती थाना अंतर्गत नेपियर टाउन पूर्व डीजीपी स्वाराज पुरी के घर के समीप, मुस्कान हाईट्स के पास देर रात हथियारबंद 7-8 डकैतों ने मिलकर ऑटो पार्ट्स व्यापारी के घर के पीछे लगी जाली को तोड़कर घर के अंदर दाखिल हुए और करीब 20 तौला जेवरात, 20 हजार करीब कैश लेकर मौके से फरार हो गए। घटना में महिला को गंभीर चोटें आई है, जिसे सिर में 6 टांके लगे है। मामला गंभीर है। जिसके चलते मौके पर एसपी टीके विद्यार्थी पहुंचे है। मामले की जांच जारी है।

जानकारी अनुसार मुस्कान हाईट्स के पास ऑटो पार्ट्स व्यापारी दलजीत सिंग टुटेजा के घर में देर रात हथियारबंद आरोपियों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। वारदात के दौरान आरोपियों ने एक महिला को भी गंभीर रुप से घायल कर दिया। जिसे सिर में टांके आए है। आरोपी व्यापारी के घर से करीब 20 तौला के जेवरात और कैश लेकर फरार हो गए। घटना के बाद मौके पर पुलिस फोर्स और एसपी टीके विद्यार्थी पहुंचे है जो मामले की छानबीन कर रहे है। घटना से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है। गौरतलब है कि मुस्कान हाईट्स के पास वर्षों पहले एक गुप्ता परिवार के घर में भी डकैती हुई थी। साथ ही एक अग्रवाल परिवार के घर में भी हथियारबंद डकैतों ने घटना को अंजाम दिया था।

इसी रास्ते से आए डकैत, डकैती कर के वापस चले गए

स्थानीय हो सकते है आरोपी

पीड़ित दंपत्ति ने पुलिस को बताया कि घटना के दौरान डकैत आपस में स्थानीय भाषा में ही बात कर रहे थे। जिसके बाद यह कयास लगाए जा सकते है कि डकैत गिरोह स्थानीय है। जिसके बाद पुलिस ने रेलवे स्टेशन सहित शहर के प्रमुख स्थानों में नाकेबंदी कर दी है। जगह जगह के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले जा रहे है।

85 मिनिट तक चला डकैती का खेल

जिस वक्त यह घटना हुई दलजीत सिंग टुटेजा अपनी पत्नि के साथ थे। बेटा लंदन में है और बेटी की शादी हो चुकी है। करीब 85 मिनिट तक डकैती का पूरा खेल चला। इस दौरान नकाबपोश डकैती पीछे की जाली तोड़कर घर के अंदर दाखिल हुए और फिर घटना को अंजाम देकर उसी रास्ते से घर से फरार हो गए।

एक ही लाइन की तीसरी बड़ी घटना

गौरतलब है कि इस लाइन की यह तीसरी घटना है और रेल ट्रेक से लगे घरों की चौथी घटना है। इसके पहले भी रामअवतार गुप्ता, अग्रवाल और लिज्जत पापड़ परिवार के घर में भी बड़ी वारदात हुई थी।

थाना पुलिस की नाकामी

- इस लाइन की प्रमुख बात यह है कि रेलवे ट्रेक से लगे घरों के आसपास हमेशा पुलिस गश्त रहती है। देर रात थाना प्रभारी की गश्त थी। लेकिन उसके बाद भी इतनी बड़ी घटना को डकैत गिरोह अंजाम देकर मौके से फरार हो गया। यह पुलिस की नाकामी है। जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप की माहौल है।

बेबाक

बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताए

किशोर गौतम

मैंने बचपन में घर के आंगन में गांव की चौपाल में और पेड़ की छांव में बड़े बुजुर्गों से बहुत ही ज्ञान भरा उपदेश सुना जिसमें उन्होंने यह कहा था कि कोई भी काम करने से पहले उसको चारों तरफ दाएं बाएं ऊपर नीचे अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए तभी सफलता हाथ लगती है और बिना सोचे समझे जल्दबाजी में किया गया कोई भी काम वैसे ही होता है जैसे की बिच्छू का मंत्र आता नहीं और सांप के बिल में हाथ डालने के बराबर...! ऐसा ही कुछ इन दोनों पश्चिम मध्य रेल के आला अधिकारियों में चल रहा है जिसमें वंदे भारत ट्रेन को लेकर जवाबदेह अधिकारियों को भारी मंगजमारी करना पड़ रही दरअसल इस मैं पर्याप्त यात्री ना मिलने के कारण आए दिन वंदे भारत ट्रेन की तारीफों की विज्ञप्ति जारी कर यात्रियों का ध्यानाकर्षण किया जा रहा है जिससे कि इसमें रेल यात्रियों का अच्छा रुझान मिल सके ऐसा ही नहीं जल्दबाजी में हुए इस ट्रेन के संचालन को लेकर भले ही अधिकारी इसकी तारीफों का पुलिंदा बांधे लेकिन उनको इस बात का एहसास हो गया है कि इतनी बेहतर सुविधा होते हुए भी इस ट्रेन में गंतव्य की यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या ना के बराबर है यह बात तो उस समय और ही साफ हो गई जब रेलवे अधिकारियों द्वारा विज्ञप्ति जारी करके वंदे भारत ट्रेन के स्टॉपेज किराया एवं अन्य जानकारियां के सुझाव आम जनमानस से मांगे गए भैया यदि जनता के सुझाव यदि स्टेशन में चौपाल लगाकर पहले मांग लिए होते तो उसी समय सभी आम जनता अपने-अपने सुझाव रख देती और आज जिन परेशानियां से रेलवे के अधिकारियों को जूझना पड़ रहा है इससे वह बच जाते इसके साथ ही आज जो बरगी पनागर पाटन सिहोरा की जनता को वंदे भारत ट्रेन को लेकर जो लुभावने सपने दिखाए जा रहे हैं यह नौबत ही नहीं आती बहरहाल जैसा भी हो जिस दिन से इस गाड़ी का संचालन हुआ है उसके बाद से इस ट्रेन की चर्चा अधिकारियों के चेंबर में काफी चिंता जनक चल रही है ऊपरी तौर पर भले ही रेलवे अधिकारी वंदे भारत ट्रेन के संचालन को लेकर जमकर लंगोट कैसे हुए हैं किंतु अंदर हालत पतली है अपना तो यह मानना था कि वंदे भारत को चलना ही था तो जबलपुर से प्रयागराज बनारस रूट ही होना था क्योंकि इस रेल मार्ग पर जबलपुर से चलने वाली कोई भी गाड़ी नहीं है यदि ऐसा होता तो जहां महाकौशल के यात्री इस ट्रेन की सुखद अनुभूति करते वही रेलवे को अधिक राजस्व की प्राप्ति भी होती लेकिन जहां तक मेरी समझ में यह बात सामने आई की जबलपुर से व्हीआईपीओ को भोपाल अधिक जाना पड़ता है शायद इसलिए इस रूट को तवज्जो नहीं दी गई किंतु अब पछताने से क्या फायदा यह तो वही हुआ कि बिना विचारे जो करें सो पाछे पछताए।

दो अन्य बसें भी आग की चपेट में, 3 फायर वाहनों से आग पर किया गया काबू

अमरनाथ यात्रा से लौटकर आई नई एसी बस में भड़की आग

जबलपुर,यशभारत। अमरनाथ-वैष्णोदेवी टूर से लौटकर दीनदयाल चौक बस स्टेंड में खड़ी सिमरन ट्रेवल्स की बस में बीती देर रात करीब डेढ बजे अचानक आग भड़क उठी जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें देख बस स्टेंड में मौजूद लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों और बस मालिक को सूचना दी। हादसे में नई एसी बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई है जबकि इस बस के आजू-बाजू में खड़ी सिमरन ट्रेवल्स की दो अन्य बस भी ड्राइवर और कंडक्टर साइड से जल गई हैं। आग लगने का कारण अभी अज्ञात है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के 3 वाहनों की मदद से दमकल कर्मचारियों द्वारा आग पर काबू पाया गया नहीं तो बस स्टेंड में खड़ी अन्य सभी बसें जलकर खाक हो जातीं। फायर विभाग के राजेश ने बताया कि बीती देर रात आग की सूचना के बाद 3 फायर वाहनों से तत्काल मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया गया था।

दीनदयाल बस स्टैंड में घटना से हड़कंप

सिमरन ट्रेवल्स के संचालक नरेश रजक ने बताया कि उनकी नई एसी बस क्रमांक एमपी 20 जेडडी 6691 आग की चपेट में बुरी तरह आकर जल गई है। इसके साथ ही बस क्रमांक एमपी 20 पीए 1791, यूपी 75एम 3877 ड्राइवर- कंडक्टर साइड से जल गई है। पीड़ित द्वारा माढोताल पुलिस थाना में घटना की शिकायत भी दर्ज कराई है।

चंदन तस्करों को दबोचने वन विभाग की टीमें दे रहीं दबिश : दूसरे राज्यों तक फैला है नेटवर्क

जबलपुर, यशभारत। वन अनुसंधान संस्थान के कैंपस से लाखों रुपये कीमती के चंदन के पेड़ काटे जाने के बाद वन विभाग की टीम लगातार दबिश दे रही है। लेकिन अभी तक मुख्य सरगना का कहीं कोई पता नहीं है। बताया जा रहा है कि चंदन तस्करी गिरोह का दूसरे राज्यों में भी नेटवर्क फैला है, जो बेखोफ होकर चंदन तस्करी को अंजाम दे रहे है। जानकारी अनुसार रेंजर अपूर्व शर्मा ने बताया कि कैंपस में चंदन के पेड़ काटे जाने के बाद बगासपुर, गोटेगांव और समीप ही श्री नगर में दबिश दी जा रही है। फिलहाल तीन आरोपी मिले है। जिनसे पूछताछ जारी है। घटना के बाद क्षेत्र के डकैतों और चोरों की भी कुंडली खंगाली जा रही है। वहीं, बताया जा रहा है कि चंदन तस्करों की डीलिंग भेड़ाघाट से होती है, जिसका अन्य राज्यों में नेववर्क फैला है। जिसकी बारीकी से जांच की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स 68/1 लक्ष्मीपुर, विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक राजीव उपाध्याय, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpur@yashbharat.com। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)